साप्ताहिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761, DAVP 133088/20/02/2020

वर्ष-12, अंक-25
इन्दौर सोमवार 19 मई
से 25 मई 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वें जयंती वर्ष पर शत्-शत् नमन।

ऐतिहासिक राजवाड़े में लगा मोहन सरकार का दरबार

इंदौर (सुनील वर्मा)। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती वर्ष पर उनके आदर्शों और मूल्यों को समर्पित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक इंदौर में राजवाड़ा के दरबार हॉल में हुई। मंत्रि-परिषद ने 3 हजार 867 करोड़ रूपये की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रशिक्षण कार्यकम योजना की सैद्धांतिक स्वीकृति दी।

इसमें युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जायेंगे। योजना में जरूरतमंद व्यक्ति प्रतिवर्ष छूट के साथ पूरे जीवनकाल के लिए अधिकतम 10 हजार रूपये प्रति व्यक्ति ऋण के ब्याज पर छूट प्राप्त कर सकेगा। प्रतिवर्ष योजना पर लगभग 100 करोड़ रूपए का व्यय किया जायेगा।

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम-2025 को स्वीकृत करने का निर्णय लिया हैं। अधिनियम-2025 लागू होने के बाद महानगर योजना समिति एवं महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया जा सकेगा। साथ ही प्रदेश में इंदौर-उज्जैन-देवास-धार एवं भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) के लिए महानगर योजना समिति एवं महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन राज्य सरकार द्वारा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा भारतीय संविधान में विहित प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों का क्षेत्रीय

बैंक ब्याज में एक हजार रुपए

स्तर पर समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए महानगर योजना समिति एवं महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण गठित करने के लिए घोषणा की गई थी। महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा महानगर क्षेत्र के लिए विकास योजना प्रारूप तैयार कर महानगर योजना समिति से विकास योजना अनुमोदन हेतु राज्य सरकार को प्रेषित की जाएगी।

राज्य सरकार द्वारा महानगर क्षेत्र की विकास योजना को अनुमोदन प्रदान करने के बाद विकास योजना का क्रियान्वयन महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। महानगर क्षेत्र की विकास योजना में ऐसे क्षेत्र की भौगोलिक आवश्यकता अनुसार शैक्षणिक, औ?द्योगिक, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में विकास हो सकेगा, जिससे कि रोजगार एवं आर्थिक विकास संभव हो सकेगा।

मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन कार्यक्रम की वित्तीय वर्ष-2028-29 तक निरंतरता की स्वीकृति दी। इसमें आगामी 4 वित्तीय वर्षों 2025-26, 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए राज्यांश राशि 167 करोड़ 74 लाख रूपये और निकाय अंशदान राशि 59 करोड़ 31 लाख रूपये, कुल राशि 227 करोड़ 5 लाख रूपये का व्यय अनुमानित है। योजना में राशि का प्रयोग प्रदेश के नगरीय निकायों में सेप्टिक टैंक से निकलने वाले स्लज के परिवहन के लिए डी-स्लजिंग वाहन, सीवर लाईन की सफाई के लिए सफाई उपकरणों, ठोस अपशिष्ट के संग्रहण एवं परिवहन के लिए वाहन तथा नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई मित्रों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण एवं पीपीई किट के लिए अनुदान प्रदान कर तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जायेगा। राज्य स्तर पर संचालित नगरीय स्वच्छता की समस्त गतिविधियों को समेकित कर मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता कार्यक्रम का आरम्भ 28 अगस्त 2012 को किया गया था। मंत्रि-परिषद ने ओंकारेश्वर में एकात्म धाम परियोजना अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों हेतु सूचकांक में छूट प्रदाय किये जाने और आचार्य शंकर संग्रहालय अद्वैत लोक के निर्माण के लिए पुनरीक्षित लागत राशि 2195 करोड़ 54 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदाय की है। इस राशि से अद्वैत लोक (संग्रहालय), आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान, अद्वैत निलयम, परियोजना सूचना केंद्र, शंकर सेतु और अभय घाट का निर्माण किया जाएगा। महाराजा यशवंत राव चिकित्सालय परिसर इंदौर और श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा के उन्नयन के लिए 1095 करोड़ रूपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने महाराजा यशवंत राव चिकित्सालय परिसर इंदौर और चिकित्सा महाविद्यालय रीवा के उन्नयन के लिए 1095 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महावि?द्यालय, इंदौर से संबद्ध महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में 773 करोड़ 7 लाख रूपये से प्रस्तावित नवीन चिकित्सालय भवन, मिनी ऑडिटोरीयम, नर्सिंग हॉस्टल, पार्किंग एवं बाह्य विकास कार्य आदि का निर्माण किया जाएगा। रीवा में श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय में ओ.पी.डी. ब्लॉक, मेटरनिटी ब्लॉक, स्टॉफ क्वार्टर, नर्सिंग कॉलेज तथा हॉस्टल एवं अन्य कार्य के लिए 321.94 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

- 3 हजार 867 करोड़ रूपये की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रशिक्षण कार्यकम योजना की सैद्धांतिक स्वीकृति
- मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम- 2025 की स्वीकृति
- आचार्य शंकर संग्रहालय अद्वैत लोक के निर्माण के लिए 2195 करोड़ रूपये से अधिक की पुनरीक्षित स्वीकृति
- प्रदेश के 04 औद्योगिक क्षेत्र में 249 करोड़ 66 लाख रूपये की लागत से वर्किंग वीमेन हॉस्टल के निर्माण की स्वीकृति
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में इंदौर के राजवाड़ा में हुई संपन्न
- 47.59 करोड़ की लागत से लालबाग पैलेस का संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में होगा विकास
- लालबाग के ऐतिहासिक स्थल के सौंदर्यीकरण व पर्यटन संवर्धन हेतु 24 महीने में होगा पुनर्निर्माण
- मुख्यमंत्री ने लालबाग पैलेस का भ्रमण कर किया ऐतिहासिक संरचना एवं सौंदर्य का अवलोकन

लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया भूमिपूजन

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होलकर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उन्होंने 47.59 करोड़ रूपये लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वाकांक्षी कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना व्यक्त की।यह कार्य लालबाग के समृद्ध इतिहास और उसकी पुनः प्रतिष्ठा के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उद्यान और होलकरों की विरासत को जीवित रखने, उद्यान को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि स्थल के रूप में विकसित करने एवं ऐतिहासिक अवधारणा पर आधारित रचना अनुसार पुन:विकसित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाएगा। इसके लिए 47.59 करोड़ की स्वीकृति सिंहस्थ मद अंतर्गत प्राप्त हुई है। यह कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। कार्य की समयसीमा 24 माह अर्थात मई 2027 निर्धारित है। इसमें बाउंड्री वाल, पाथवे, पार्किंग, सॉफ्टस्केपिंग एवं सिंचाई, जनसुविधा, टिकिट काउंटर, उद्यान कैफे, मुक्ताकाश मंच, मंडप,रानी अहिल्या बाई आत्मरक्षा केंद्र (बालिकाओं के लिए), वनस्पति रक्षाग्रह, बाहरी विद्युतीकरण, सजावटी प्रकाश खंभे, बगीचे के लिए पाइप संगीत प्रणाली, सीसीटीवी आदि का कार्य किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मंत्री परिषद के सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने परियोजना की महत्वता और विकास के प्रति सरकार के संकल्प का समर्थन किया।

मध्यप्रदेश सरकार की इंदौर में आयोजित केबिनेट बैठक में सम्मिलित होने आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं उनके मंत्रीगणों का हार्दिक स्वागत कर उनको नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव बीजेपी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने अपने संगठन की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

मंत्रिपरिषद की बैठक में इंदौर को स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए मिली बड़ी सौगात

एम.वाय. अस्पताल इंदौर के उन्नयन के लिए 773 करोड़ की मिली मंजूरी

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने जताया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार

इंदौर। इंदौरवासियों को आज चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में ऐतिहासिक राजवाड़ा में संपन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एम.वाय.हॉस्पिटल) परिसर के उन्नयन के लिए 773.07 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इस निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इंदौर की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। यह केवल इंदौर नहीं, बल्कि पूरे अंचल के लिए जीवनदायिनी सौगात है। स्वीकृत राशि से एम.वाय. अस्पताल परिसर में नया चिकित्सालय भवन, मिनी ऑडिटोरियम, नर्सिंग हॉस्टल, पार्किंग व बाह्य विकास कार्य किए जाएंगे। इससे न केवल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, बल्कि महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी उन्नत शिक्षण सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह निर्णय स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा ढांचे के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। श्री सिलावट ने कहा कि एम.वाय. अस्पताल के कायाकल्प के लिए मैं विशेष रूप से प्रयासरत था। इस अस्पताल के कायाकल्प के लिए अनेक दौर की बैठकें आयोजित कर कार्य योजना बनाई गई। इस कार्ययोजना के अनुसार आज स्वीकृति प्राप्त हुई है यह बेहद खुशी की बात है ।

संपादकीय

सेना के जवानों पर बदजुबानी

हमारे देश की वीर बहादुर ओर जाबांज तीनो सेनाओं ने देश और देशवासियों की रक्षा के लिए सदैव अपने प्राणों की बाजी लगाई है और प्राणों की आहुति भी दी है ,इसके लिए हम भारत वासी अपनी सेनाओं को सर्वोच्च मान सम्मान देकर उन्हें अपना गौरव मानते है। पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारे देश के निर्दोष पर्यटकों की धर्म के आधार पर जो निर्मम हत्याए की थी उसके बाद पाकिस्तान ओर आतंकवाद के खिलाफ हमारी बहादुर सेनाओं ने जोऑपरेशन सिंदूर चलाकर कार्यवाही की थी उसको पूरे विश्व ने देखा कि ,पाकिस्तान का क्या हश्र हुआ है। भारतीय सेना ने समय समय पर जो सैन्य कार्यवाही पाकिस्तान और दूसरे स्थानो पर की है वह भारत सहित पूरे विश्व में परलीक्षित है ।

लेकिन दुर्भाग्य से सेना के वरिष्ठ अधिकारी और जवानो के बारे में कुछ जिम्मदार लोगो ने बदजुबानी की है जो दुर्भाग्यिपूर्ण होने के साथ साथ अवांछनीय ओर हर वर्ग के लिए अस्वीकार है। ऐसे लोग जो सेना के लिए बदजुबानी ओर कड़वे बोल बोल रहे हैं है वह एक दूषित मानसिकता का प्रतीक होने के साथ साथ निंदनीय है।राजनैतिक क्षेत्र में आरोप प्रत्यारोप ओर एक दूसरे की आलोचना एक सामान्य बात है लेकिन ऐसी ही बातों को सेना के क्षेत्र तक लेजाना कहा कि समझदारी है यह समझने के बात है। देश के हर नागरिक जनप्रतिनिधियों ओर नेतानगरी करने वालो को यह समझना चाइए कि ,हमारे देश की सम्मानीय बहादुर वीर सेनाओं के मान सम्मान का पूर्ण सम्मान रखते हुए अपनी भावनाओं नियंत्रित रखे -जय हिंद जय भारत

विशेष लेख - अबूझमाड़ अब नहीं रहेगा अबूझ

पीएम जनमन, धरती आबा और नियद नेल्लानार योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का हो रहा है बेहतर विकास

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास तथा नक्सलवाद के खात्मे के बाद अबूझमाड़ अब अबूझ नहीं रहेगा। यहां भी ग्रामीणों के विकास के साथ-साथ रहवासी क्षेत्रों में अधोसंरचात्मक तथा मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था से पर्यटन का विकास होगा और क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा, ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जहां एक ओर ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का शत-प्रतिशत विकास किया जा रहा है वहीं राज्य सरकार की महत्वकांक्षी नियद नेल्लानार योजना सहित शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हो रहे विकास के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे की ओर आगे भी बढ़ रहे हैं। इससे अब अबूझमाड़ में भी विकास का नया सवेरा होगा। लोग खुली हवा में निडरतापूर्वक सांस ले सकेंगे। वहां भी चमचमाती सड़कों का जाल बिछने लगा है। बता दें कि बस्तर क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ का एक पिछड़ा और आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जो विकास की दृष्टि से अभी भी उपेक्षित है। इस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार ने पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय जन विकास मिशन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के साथ ही आदिवासी समुदायों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। अबूझमाड़ में भी आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। वहीं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए काम किया जा रहा है। इस अभियान से गांवों में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, और बिजली की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। इसमें पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आजीविका के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, गांवों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है। प्रदेश के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जिले में नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें इन जिलों के कुल 8 विकासखंडो में 23 सुरक्षा कैंपों के आसपास के 90 ग्रामों का विकास किया जा रहा है। नियद नेल्लानार से तात्पर्य आपका आदर्श ग्राम है अर्थात् ऐसा ग्राम जहां पर निवासरत जनसंख्या को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं और अब वह अन्य क्षेत्रों की तरह विकास के पथ पर आगे बढ़ने को अग्रसर है। हम सब जानते हैं कि विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग सुदूर वनांचल की बसाहटों में किस तरह अपनी जिन्दगी गुजार रहे होते हैं। बरसात के दिनों में उनके छोपड़ीनुमा घर रहने के लायक नहीं होते हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरी केन्द्र और राज्य सरकार के संवेदनशीलता और समन्वित प्रयास से उनके लिए पक्के आवासों का निर्माण कराया जा रहा है। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्ला नार योजना से जनजातीय इलाकों में की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित उक्त योजनाओं से बस्तर के अबूझमाड़ में तेजी से बुनियादी सुविधाएं विकसित होने लगी है। अबूझमाड़ में एक ओर जहां चमचमाती सड़कों की जाल बिछाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं विद्युत जैसी बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से मुहैया भी कराई जा रही है। अब वह दिन दूर नहीं कि जब अबूझमाड़ लोगों के लिए अबूझ नहीं रहेगा। अब अबूझमाड़ में विकास का नया सूरज उग रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयासों से जनजातीय इलाकों की स्थिति और वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों की बदौलत छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी है। छत्तीसगढ़ की जैव विविधता और ऐतिहासिक धरोहर बेमिसाल हैं। पर्यटन की दृष्टि से यहां की ये दोनों खासियतें अभी तक 'अनएक्सप्लोर्ड' हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर भी जल्दी ही पर्यटन के लिए पूरी तरह खुल जाएगा।

यह हिंदुस्तान का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सकता है। छत्तीसगढ़ के जंगल बेहद मोहक हैं। यहां से बेहतर जंगल और कहीं नहीं हैं। राज्य में हर तरह की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। पर्यटन के विकास में इसका बहुत लाभ मिलेगा। पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से अबूझमाड़ का भविष्य उवल होगा।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मर्यादा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी।जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है।जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया । यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया। उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अख़बारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है,इस मामले में प्रथम दृष्टया लागू होती है।मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को शर्मनाक और अश्लील कहा।विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफ़ी मांगी।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।

कविता

आरुष के लिए....

अपनी आँखें कभी नम ना होने देना
तेरे जो भी गम हो हमें देना
तेरे हर गम मैं हँस कर उठा लूँगा
अपने होठो की हंसी तेरे लब पर सजा दूंगा

तुझे हर मुमकिन खुशियों से नवाजूगा
तुम्हारी आँखें बेशकीमती है
तुम्हारी आँखों से निकला हर आंसू सच्चा मोती है
मोतियों का यूह बिखर जाना अच्छी बात नहीं है
तुम्हारी परवाह करने वाले कितने है
शायद तुम्हे याद नहीं है

भावेश सोलंकी

कहानी

आस्था-अनास्था

एक पोस्टकार्ड आया। लिखा था- हम कुछ रोगियों की सेवा करते हैं। यहाँ उनका मुफ्त में इलाज होता है । हमारी आय बहुत सीमित है। अतः हम अखबारों या चैनलों पर अपनी संस्था का प्रचार नहीं कर सकते। आपसे नम्र निवेदन है कि इस पत्र की पन्द्रह प्रतियाँ तैयार कर विभिन्न जगहों पर प्रेषित करें ताकि हमारी संस्था का प्रचार हो और कुष्ठ रोगी यहाँ आकर हमारी सेवा ले सकें । पिता ने यह पत्र बड़ी लापरवाही से एक किनारे रख दिया।

बेटे ने यह देखा तो कहा, पापा, यह पुण्य का कार्य है । आपको करना चाहिए। मगर पिता पर कोई असर नहीं हुआ। कुछ दिन बाद बेटे ने देखा, पिता पोस्टकार्ड की प्रतियाँ तैयार कर रहे थे। बेटा बड़ा प्रसन्न हुआ, चलो पापा को सद्बुद्धि आयी। बेटा तैयार की हुई एक प्रति पढ़ने लगा। मगर पत्र का जो मजमून था उसे पढ़कर बेटा का दिमाग घूम गया। दरअसल वे किसी दूसरे पत्र की प्रतियाँ तैयार कर रहे थे। उसका मजमून कुछ इस प्रकार था - रोहतास जिले के बीजापुर गाँव में एक धराशायी पेड़ अचानक से उठ खड़ा हुआ है।

लोगों ने देखा, उस पर एक देवी का चित्र उभर आया है। गाँववाले उस पेड़ को बड़ा शुभ और चमत्कारी मान रहे हैं। उसकी पूजा कर रहे हैं। सचमुच, इस देवी की लीला अपरम्पार है। कहते हैं, अब गाँव में कोई बीमार नहीं पड़ता। जो बीमार होता है वह इस पेड़ के पत्ते खाकर ठीक हो जाता है। आप भी इस गाँव में आएँ और देवी के दर्शन करें। यदि नहीं आ सकते तो इस पत्र की बीस प्रतियाँ तैयार कर विभिन्न स्थानों को भेजें। ऐसा नहीं करने पर देवी आप पर कुपित हो जाएँगी और आपका भारी नुकसान होगा। बेटे ने देखा, पिता पूरी तन्मयता से जल्दी-जल्दी प्रतियाँ लिख रहे थे। कुष्ठ रोगियों वाला पत्र नीचे डस्टबिन में उपेक्षित पड़ा था।

ज्ञानदेव मुकेश
न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी
पटना -800013

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

भारत ने रिकॉर्ड 24 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वित्त वर्ष 2025 में स्मार्टफोन निर्यात में एक नई उपलब्धि हासिल की है। देश ने रिकॉर्ड 24.14 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है, जो पिछले वर्ष के स्मार्टफोन निर्यात के 55 फीसदी ज्यादा है। भारतीय मेड इन इंडिया स्मार्टफोन की मांग अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य में बढ़ी है। भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है। इस उछाल के साथ, भारतीय स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात मूल्य को भी पार कर दिया है। भारत ने अपनी व्यवसायिक नुकसान से चीन के उत्पादन मार्ग को भी स्वीकार करते हुए, ऐप्पल जैसी दिग्गज कंपनियों को अपने मैन्युफैक्चरिंग बेस को भारत में शिफ्ट करने का मौका दिया है। यह नया उत्कृष्टता का पहलू दिखाता है जो भारत को एक मान्यता प्राप्त निर्यात नेतृत्व प्राप्त कराने के लिए तैयार कर रहा है। मेड इन इंडिया स्मार्टफोन अब दुनिया भर में अपनी नई प्रतिष्ठा बना रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारतीय स्मार्टफोन्स का निर्यात भारी समृद्धि प्राप्त कर रहा है, जो स्मार्टफोन उत्पादन में सारे देशों के बीच स्थान बदल देगा।

सरकार वैश्विक सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन की 5 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी

नई दिल्ली । सरकार ने साल 2030 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भारतीय सेमीकंडक्टर योजना 2.0 के अगले चरण की तैयारी के तहत पहले ही 10 अरब डॉलर की वितरण की प्रतिबद्धता जता चुकी है। इस योजना में पहले ही कई परियोजनाएं शामिल हैं जो निर्माण के लिए तैयार हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन के अनुसार, मंत्रालय ने परियोजनाओं की प्रतिदिन 7.5 करोड़ से अधिक चिप उत्पादन की कुल क्षमता को मंजूरी दे चुका है। समूहित रूप से प्रतिदिन इस क्षमता के साथ भारत अपनी मांग के हिस्से की पूर्ति के साथ-साथ निर्यात बाजार में भी प्रवेश कर सकेगा। उद्योग की शीर्ष संस्था - इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अनुसार मंत्रालय अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए अब तक परियोजनाओं की प्रतिदिन 7.5 करोड़ से अधिक चिप उत्पादन की कुल क्षमता को मंजूरी दे चुका है। अलबत्ता अगर इस संख्या में राज्यों से स्वीकृत परियोजनाओं को भी जोड़ दिया जाए तो यह प्रतिदिन 9.1 करोड़ चिप तक पहुंच जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली से भी बाजार पर दबाव पड़ा। बैंकिंग शेयरों में बढ़त से हालांकि बाजार में गिरावट पर अंकुश लगा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 271.17 अंक करीब 0.33फीसदी की गिरावट लेकर 82,059.42 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कारोबार के अंत में 95 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी नीचे आकर 24,944.85 पर बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी और पीएसयू बैंक इंडेक्स सेक्टोरल इंडेक्सिस में सबसे अधिक तेजी रही। ये 2.25 फीसदी और 1.50 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं अन्य सेक्टोरल इंडेक्सिस में बैंक निफ्टी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर लाभ के साथ बंद हुए। वहीं आईटी, एफएमसीजी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस में गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.37 फिसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एटरनल (जोमैटो) में सबसे ज्यादा 3 फीसदी गिरावट दर्ज की गयी। इन्फोसिस में 1.95 फीसदी, टीसीएस में 1.20 फीसदी, टेक महिंद्रा में 1.19 फीसदी और एशियन पेंट्स पर 0.98 फीसदी की गिरावट आई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 9 शेयर गिरावट पर बंद हुए। पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 1.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, सीटेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी उछले हैं। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सोमवार रही। निक्केई में 0.45 फीसदी की गिरावट जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स नेगेटिव आउटलुक के साथ स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.47 फीसदी की गिरावट आई और एएसएक्स 200 में 0.37 फीसदी की गिरावट आई। वॉल स्ट्रीट पर शुक्रवार को बाजार मिले-जुले रहे। हालांकि एसएंडपी 500 ने लगातार पांचवीं बढ़त दर्ज की और साप्ताहिक प्रदर्शन मजबूत रहा। ब्रॉड-मार्केट इंडेक्स 0.70 फीसदी बढ़कर 5,958.38 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.52 फीसदी बढ़कर 19,211.10 पर पहुंच गया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 331.99 अंक या 0.78 फीसदी बढ़कर 42,654.74 पर पहुंच गया। इससे ब्लू-चिप इंडेक्स साल के लिए पॉजिटिव क्षेत्र में पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार ?गिरावट के साथ खुले।सेंसेक्स प्री-ओपन में मजबूती के बाद लाल निशान में खुला। सेंसेक्स 115 अंक की गिरावट लेकर 82,215 पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 लगभग सपाट नोट पर 25 हजार के लेवल के ऊपर खुला। इससे पहले शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट में बंद हुए।

जैन सोशल ग्रुप द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान और परीक्षण शिविर आयोजित

इन्दौर। जैन सोशल ग्रुप यूनिक इंदौर द्वारा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और अंगदान जागरूकता अभियान शामिल था। इस कार्यक्रम में 108 यूनिट रक्तदान हुआ और 108 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। ग्रुप के अध्यक्ष पीयूष प्रीति जैन और प्रोग्राम संयोजक सीए अरुण दीपा जैन ने बताया कि इस शिविर

का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित करना था। इस कार्यक्रम के आयोजन में ग्रुप की सोशल वेलफेयर कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका थी, जिसे एम वाय हॉस्पिटल मॉडल ब्लड बैंक और सेंट्रल पैथोलॉजी लैब का सहयोग मिला। सोशल कमेटी हेड रुपेश रुचिता छाबड़ा ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीम के सदस्यों की सराहना की। इस कार्यक्रम के आयोजन में पुनीत आंचल टोंग्या, आदित्य पायल जैन, अतुल मीनाक्षी कोचर, अंचल सपना पंचरत्न, सुमित शुभी डोसी रितेश टीना टोंग्या , राजीव मोनिका कासलीवाल, प्रकाश प्रीति बैद, आशीष निधि देसाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जैन सोशल ग्रुप यूनिक इंदौर का यह कार्यक्रम न केवल थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य जांच और अंगदान के प्रति भी जागरूक किया। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जैन सोशल ग्रुप यूनिक इंदौर का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है।

इंदौर की अंतर्राष्ट्रीय युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी का भारतीय डाक विभाग द्वारा सम्मान

इन्दौर। भारतीय डाक विभाग इंदौर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री अद्विका अग्रवाल का 15 अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता नेपाल में गोल्ड पदक जीतने पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया . इसमें सुश्री प्रीती अग्रवाल, पोस्ट मास्टर जनरल मुख्य अतिथि रही व विभाग की ओर से माय स्टाम्प भेंट कर सम्मानित किया गया . सुश्री अद्विका अग्रवाल 14 वर्ष की बाएं हाथ की टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं . उनके द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ में पदक प्राप्त किये गए हैं एवं वर्तमान में उनकी ह्यूज्ञ में 15 में विश्व रैंक 127. हैं . सुश्री अद्विका अग्रवाल के द्वारा संबोधन में कहा कि वर्तमान में हमारे सर्वगीण विकास के लिए खेल एक आवश्यक अंग हैं . वे एक उभरती हुई प्रतिभा हैं जिन्होंने केवल 14 वर्ष की छोटी उम्र में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त कर इंदौर एवं मध्यप्रदेश का नाम सम्पूर्ण विश्व में रोशन किया हैं . वे टेबल टेनिस 15 में मध्य प्रदेश की न 1 खिलाड़ी हैं . डाक विभाग विभिन्न क्षेत्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा प्रतिभाओ का सदैव सम्मान एवं प्रोत्साहन करता रहा हैं . इसी कड़ी में यह आयोजन किया गया हैं . इस कार्यक्रम में सुश्री अद्विका अग्रवाल के परिजन, कोच , डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण व कर्मचारी उपस्थित रहे .

'सिंदूर शौर्य यात्रा' ने राष्ट्रभक्ति और मातृशक्ति के समन्वय का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया

इन्दौर । मां अहिल्या की नगरी इंदौर में मां अहिल्या मंच द्वारा आयोजित सिंदूर शौर्य यात्रा आज राष्ट्रभक्ति भाव और भारतीय सेना के प्रति अपने सम्मान भाव के प्रकटीकरण के साथ सम्पन्न हुई। यह यात्रा न केवल भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के सम्मान में थी अपितु मातृशक्ति की ऊर्जा, चेतना और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भी जीवंत प्रतीक बनी। राजवाड़ा से न्यायप्रिय मां अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा प्रारंभ होकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा (बड़ा गणपति) तक राष्ट्रभक्ति भाव से ओतप्रोत पहुंची। पूरा मार्ग भारतभक्ति और सेना के पराक्रम के जयकारों से गुंजायमान रहा। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर सैनिक भाइयों के परिवार का सम्मान और सेना के जवानों का रक्त तिलक मातृशक्ति द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. माला ठाकूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से पूरा विश्व गुंजायमान है। हमें अपनी सेना पर गर्व है। आज सिंदूर शौर्य यात्रा के माध्यम से यहां एकत्रित मातृशक्ति अपने नौनिहालों को वीरांगना और क्रांतिकारियों की वेशभूषा में लेकर सपरिवार सम्मिल्लित हुई है। श्रीमती कीर्ति तिवारी, एड स्वाति उखले, श्रीमती अनिता रघुवंशी, श्रीमती छाया कुवादे, श्रीमती ज्योति राठौर, श्रीमती हिना नीमा, श्रीमती आरती जायसवाल, एड गीतांजलि चौरसिया, श्रीमती संध्या सोनी, श्रीमती वंदना माहौर ने अपने रक्त से तिलक कर देश कि रक्षा में लगे वीरों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संगीता चौहान ने किया। आभार श्रीमती आरती मिश्रा ने माना।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सुशासन की मिसाल है : मुख्यमंत्री मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ देवी अहिल्या की जीवन गाथा पर आधारित नाटक देखा

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देवी अहिल्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, नारी सशक्तिकरण और सुशासन की एक मिसाल है। उनके द्वारा कुशल प्रशासक के रूप में कराए गए जन कल्याण के कार्य आज भी हमें समाज के हर वर्ग के कल्याण की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर के लता मंगेशकर ऑडिटोरियम हाल में विश्व मांगल्य सभा द्वारा पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी अवसर पर राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ इस नाटक को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई होलकर ने कठिन समय में कुशलता के साथ सत्ता का संचालन कैसे किया जाता है, यह करके दिखाया है। उन्होंने सोमनाथ और वाराणसी में मंदिर बनाने के साथ ही नदियों पर घाट बनवाए हैं। रामेश्वरम के मंदिर निर्माण में भी देवी अहिल्या बाई होलकर का योगदान है। उन्होंने मंदिर के साथ ही धर्मशाला, अन्नशाला, घाट निर्माण, पुजारी के मानदेय सबका ध्यान रखा। उन्होंने सहस्त्राब्दु की राजधानी महिष्मती का उद्धार कराया। देवी अहिल्या बाई में एक आदर्श बहु और बेटी का रुप भी दिखाई देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सम्पूर्ण देश में अहिल्या उत्सव मनाए जाने का मार्ग प्रशस्त किया है और वे स्वयं भी इस कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल पधारने वाले हैं। देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्मजयंती के अवसर पर इंदौर के राजवाड़ा में प्रदेश की कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया है। कैबिनेट की इस बैठक में देवी अहिल्या बाई की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर प्रदेश के विकास के लिए अच्छे निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्या बाई के जीवन के विविध पहलुओं को एक नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक जन सामान्य को देवी अहिल्या बाई के कार्यों और सुशासन से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके द्वारा महेश्वर में इस नाटक का कुछ भाग ही देखा गया था।

इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा में होगी मंत्रिमंडल की विशेष बैठक – सभी तैयारियां पूर्ण

राजवाड़ा बनेगा ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये हो रही है यह बैठक

इंदौर। इंदौर का राजवाड़ा आज 20 मई को ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी बनेगा। इस राजवाड़ा में आज मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रिमंडल की विशेष बैठक आयोजित हो रही है। यह बैठक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को चिरस्थायी बनाये जाने के उद्देश्य से आयोजित होगी। यह इंदौर के लिये गौरव और एक ऐतिहासिक क्षण होगा। मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के लिये राजवाड़ा को आधुनिक और परम्परागत शैली के अनुसार सजाया गया है। बैठक की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह पहला अवसर होगा जब प्रदेश मंत्रिमंडल, ऐतिहासिक विरासत से युक्त इस भव्य स्थल पर एकत्रित होकर जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर मंथन करेगा। इस बैठक को गरिमा और परंपरा का संगम बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। राजवाड़ा को सांस्कृतिक वैभव के प्रतीक के रूप में सजाया गया है। राजवाड़ा में माँ देवी अहिल्या बाई होलकर की स्मृति में पारंपरिक शैली और आधुनिक साज-सज्जा की गई है। भवन के भीतर और बाहर मालवी संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रकाश, पुष्प एवं पारंपरिक सजावट का संयोजन इसे एक अलग विशेष स्वरूप प्रदान कर रहा है।

देवी अहिल्या बाई होलकर को नमन से होगी बैठक की शुरुआत

बैठक का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं समस्त मंत्रीगण द्वारा माँ देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। इसके उपरांत वे राजवाड़ा में प्रवेश करेंगे, जहाँ भूतल पर मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रदेश के विकास, जनकल्याण, सुशासन से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा संभावित है।

मालवी परंपरा में होगा स्वागत और भोजन

आयोजन में आने वाले समस्त अतिथियों के स्वागत-सत्कार की व्यवस्था मालवी परंपरा के अनुरूप की गई है। बैठक के उपरांत प्रथम तल पर पारंपरिक मालवी भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय व्यंजन विशेष रूप से दाल-बाटी, दही बड़ा, मावा बाटी आदि परोसे जाएंगे।

अस्थायी सचिवालय एवं सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था

राजवाड़ा परिसर में अस्थायी सचिवालय की स्थापना की गई है, जहाँ बैठक के संबंध में सभी प्रशासनिक गतिविधियाँ संचालित होंगी। सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस दल तैनात किया गया है। परिवहन, आवास और सुरक्षा की सभी व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। लाइजनिंग अधिकारियों की नियुक्ति मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग हेतु की गई है।

देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन और सुशासन पर आधारित प्रदर्शनी

इस ऐतिहासिक बैठक के साथ-साथ विविध प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसमें एक खंड देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का होगा। इसमें लोकमाता के त्याग, सेवा, प्रशासनिक दक्षता, धार्मिक सहिष्णुता और समाज कल्याण के विविध दृश्य चित्रों और अन्य माध्यमों के जरिए प्रस्तुत किये गये हैं।

अहिल्या दर्शन से प्रेरित राज्य शासन की योजनाओं और कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी

इस खंड में प्रदेश सरकार द्वारा लोकमाता के सिद्धांतों जैसे सुशासन, न्यायप्रियता, महिला सशक्तिकरण, लोकसेवा और जनकल्याण पर आधारित योजनाओं का प्रदर्शन किया गये हैं। साथ ही इंदौर के विकास पर आधारित अन्य चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राजवाड़ा के संरक्षण एवं पुर्नस्थापन परियोजना के तहत 11.21 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इस राशि से राजवाड़ा के दरबार हाल के संरक्षण एवं पुर्नस्थापन का कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री द्वारा इन कार्यों का भूमिपूजन किया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सराफा बाजार में मंत्रियों संग उठाया व्यंजनों का लुफ्त

इंदौर,राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार देर रात इंदौर के विश्वप्रसिद्ध सराफा बाजार का दौरा किया और यहां के चटपटे व्यंजनों का स्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ मंत्रिमंडल के सहयोगी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाजार में घूमकर जनता से संवाद भी किया और स्थानीय लोगों से इंदौर की स्वच्छता और व्यंजन संस्कृति को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सराफा बाजार न सिर्फ स्वाद का केंद्र है, बल्कि इंदौर की पहचान भी है। रात करीब 11.15 बजे मुख्यमंत्री अपने काफिले के साथ सराफा पहुँचे। यहाँ उन्होंने भुट्टे का किस, गराड़ू,दही बड़ा , पानीपुरी,कुल्फी का स्वाद लिया और इंदौरी कुल्हड़ की चाय पी। मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने पोहे, भुट्टे का कीस, गराड़ू, खड़ी-जलेबी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। आरम्भ में स्थानीय दुकानदारों और युवाओं ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इंदौर की सफाई और व्यंजन संस्कृति को पूरे देश में प्रेरणास्रोत बताया और व्यापारियों से साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त की.

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज पलसीकर कॉलोनी

स्थित पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने श्री वर्मा के सुपुत्र श्री गगन वर्मा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया। उन्होंने स्व. गगन वर्मा के चित्र पर पुष्प

अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिजनों को ढांढस बंधाया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय जनभावना परिवार के संपादक सुनील वर्मा एवं परिवार द्वारा स्व. श्री गगन वर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

20 मई को कैबिनेट की बैठक

इंदौर। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 20 मई को इंदौर में राज्य मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक होगी। यह बैठक प्रशासनिक दृष्टि से जितनी अहम है, उतनी ही सांस्कृतिक और विकासात्मक दृष्टि से भी इंदौर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही

है। महापौर पुष्य मित्र भार्गव एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि इस बैठक को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। कैबिनेट बैठक के साथ-साथ प्रस्तावित विशेष कार्यक्रमों और शहर के प्रमुख स्थलों के दौरे की रूपरेखा भी तैयार की जा चुकी है।

मोबाइल चोरी करने वाले तीन आरोपी पकड़ाए

इंदौर । शहर में मोबाइल लूट की घटनाओं पर नकेल कसते हुए क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्यवाही कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी छात्रों और युवतियों को अपना निशाना बनाते थे। हाल ही में बीबीए की पढ़ाई कर रहे एक छात्र के साथ हुई मोबाइल चोरी की वारदात के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपियों को धर दबोचा। क्राइम ब्रांच को मोबाइल लूट से जुड़ी जानकारी मिल रही थी, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। इसी क्रम में तीन संदिग्ध राहुल पुत्र मुकेश नायक निवासी मोती तबेला देवास, प्रकाश पुत्र हरीश नामदेव निवासी जिंसी और शिव पुत्र संतोष भोई को पकड़ा गया।

40 हजार देकर लाश को और गहराई में दफनाया

इंदौर । इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र में 'दृश्यम' फिल्म जैसी साजिश रचकर युवक की हत्या करने वाले चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी रोहित परमार को पुलिस पहले ही दबोच चुकी थी, जबकि तीन अन्य आरोपियों को शनिवार रात पकड़ा गया। पुलिस को पूछताछ में हत्या की पूरी कहानी और उससे जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि 3 मई को विशाल पिता अजय चौहान निवासी सेमलिया चाऊ की गुमशुदगी की रिपोर्ट खुड़ैल थाने में दर्ज की गई थी। परिजनों ने बताया था कि विशाल 1 मई की शाम 7~30 बजे एक शादी समारोह में जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। 2 मई को विशाल के मोबाइल से परिजनों के पास एक मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि वह सांवरिया सेठ जा रहा है। परिजनों ने कॉल करने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं उठाया गया।जांच में जुटी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रोहित परमार नामक युवक इस मामले में संदिग्ध है।

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा इंदौर सहित देशभर चलाया जागेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं यात्रा

इन्दौर। विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं यात्रा माननीय श्री शिवराज सिंहए केंद्रीयकृषि मंत्रीएकृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ;आईसीएआर केनिर्देशानुसार दिनांक 29 मई से 12 जून 2025 के दौरानइंदौर सहित मध्य प्रदेश एवं देश के प्रत्येक जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत चलायाजाएगा इस बाबत भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा इस बात की जानकारी दी कि यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में 29 मई से प्रारंभ होकर 12 जून तक चलेगा। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक एवं मंत्रालय के अधिकारी.कर्मचारीए स्थानीय कृषिकर्मियों के साथ टीम बनाकर प्रतिदिन अलग.अलग गांवों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करेंगे तथा उन्हें खेती.किसानी के संबंध में अपने स्तर पर और जागरूक करेंगेए विभिन्न सलाह देंगे।इस अभियान में इंदौर स्थित राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थानए कृषि विज्ञान केंद्र तथा स्थानीय कृषि कर्मचारियों के साथ टीमें बनाकर अलग.अलग गाँवों में पहुंचकर सीधे किसानों से संवाद करेंगे तथा खरीफके मौसम में बोई जाने वाली फसलों की उत्पादन तकनिकी बाबत अवगत कराएँगे. संस्थान के निदेशक डॉ के एच सिंह के अनुसार केंद्र सरकार की कार्ययोजना में शामिल देश के

विभिन्नकृषिअनुसन्धान संस्थानों द्वारा अभी तक विकसित उन्नत तकनिकी तथा आधुनिक ज्ञान को श्प्रयोगशाला.से.खेतश्यानिश्लैब.टू. लैंडश् तक प्रभावशाली तरीके से पहुंचाकरकृषि उत्पादन बढाने के लिए एक अच्छा विकल्प हैंण् डॉ सिंह के अनुसार इसविकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान उन्नत कृषि तकनीकोए उन्नत किस्मों के साथ ही कृषि मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में कृषकों के बीच प्रचार.प्रसार किया जाएगाण्ज्ञात हो कि इंदौर सहित कुल 700 जिलों के आयोजित किये जा रहे इस अभियान कीरुपरेखा बाबत भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के मुख्यालय में माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान तथा महानिदेशक डॉ ए म ण ए ल ण जा ा ट ए उपमहानिदेशक;फसलविज्ञानद्ध डॉएचणएसण्यादव तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारीयों की उपस्थिति में एक बैठक का आयोजन किया गया थाण् इसी कड़ी में राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बीण् युण् दुपारेके अनुसार इंदौर जिले मेंविकसित कृषि संकल्प अभियान के क्रियान्वयन हेतु कृषि विज्ञान केंद्रए कस्तूरबाग्रामके वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ आर एसण् टेलरद्वारा कुल 4 टीमों का गठन किया जा रहा हैं जिसमे राष्ट्रिय सोयाबीन अनुसन्धान केंद्र एवं कृषि विज्ञानक केंद्रए कस्तूरबाग्राम के वैज्ञानिक तथाकेंद्र एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी जिले से गुजरने वाले प्रमुख सड़क मार्गों में आने वाले गाँवों को कृषि संकल्प रथ के साथ भ्रमण करेंगे एवं कृषकों को इकठ्ठा कर उन्हें कृषि तकनिकी एवं कृषकों के लिए शासन द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जायेगी.

समाज में संस्कारों का सृजन बहुत आवश्यक - डॉ. पांडेय

16 संस्कारों संबंधी जानकारी प्रदान करने में माताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

इंदौर। संक्रमण के इस दौर में समाज में संस्कारों का सृजन बहुत आवश्यक है। राष्ट्र विरोधी ताकतों ने भारत को तोडने् की पुरजोर कोशिश की पर भारत की सांस्कृतिक जड़ों ने इसे बचाये रखा। आज के दौर में समाज में जामवंतों की कमी है, जिन्होंने हनुमानजी को अपनी शक्तियों का भान करवाया, वैसे ही समाज के जामवंत, समाज में मौजूद व्यक्तियों को अपनी शक्तियों से परिचय करवाएं। परिवार में अपने बच्चों को राष्ट्र गौरव शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई, माता अहिल्या के बारे में बात करें और

उनके शौर्य की गाथाएं बताएं ताकि वह अपने स्वर्णिम इतिहास पर गर्व कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व कलेक्टर कृष्णमोहन गौतम ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने उद्बोधन में एक युद्ध के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि आपकी उम्र से कोई फर्क नहीं पड़ता। आपके संस्कारों और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए।

संस्कार शाला की शुरुआत स्वस्तिवाचन, देवी-देवताओं के आह्वान एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। नगर सभा एवं शैक्षणिक न्यास के अध्यक्ष द्वारा अतिथियों का स्वागत कर स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। संस्कार शाला संयोजकों का स्वागत नगर सभा की और से प्रधानमंत्री कमलेश तिवारी एवं शैक्षणिक न्यास की ओर से मधुसूदन तिवारी ने किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी एवं वरिष्ठ समाज सेवी सत्यनारायण शर्मा ने अतिथिद्वय डॉ. पांडेय और श्री गौतम को स्वास्थ्य संबंधी साहित्य भेंट किया। कार्यक्रम में स्वस्तिवाचन पंडित सोमेश्वर जोशी एवं पंडित राज शास्त्री ने किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित राघवेंद्र त्रिपाठी ने किया। आभार पंडित जगदीश जोशी ने माना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सभी राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र में जाकर ज्यादा से ज्यादा सीमांकन कराएं : कलेक्टर

विभागीय समन्वय एवं समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर, राष्ट्रीय जनभावना।

कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज विभागीय समन्वय एवं समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर ज्यादा से ज्यादा सीमांकन का कार्य कराएं। उन्होंने निर्देश दिये कि गांवों में जायें और सीमांकन के आवेदन प्राप्त करें तथा सभी सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण आगामी वर्षाकाल के पूर्व करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए सभी जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगरीय निकाय के लक्ष्यों को पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों को वृक्षारोपण की तैयारियां करने व वृक्षारोपण के लिए स्थान चिन्हांकित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जल निगम के अधिकारी को वर्षाकाल के पूर्व कार्य

पूर्ण करने एवं पाईपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों के रीस्टोरेशन का कार्य तत्काल करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने सभी शासकीय विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली शुरू करने के संबंध में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि अब फाईलें ऑनलाइन स्वीकार की जायेगी। कोई भी फाईल मैनुअल नहीं ली जायेगी। कलेक्टर ने समग्र का आधार के साथ ई-केवायसी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के उपभोक्ताओं की ई-केवायसी कार्य की प्रगति की समीक्षा में निर्देश दिये कि एक सप्ताह के अंदर ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करें, एक सप्ताह पश्चात ईकेवायसी में कम प्रगति वाले विभागीय अधिकारियों का वेतन काटा जायेगा। कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए गेहूं विक्रय करने वाले किसानों को समय पर भुगतान करने तथा खरीदे गये गेहूं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ वेयरहाउस में परिवहन कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि नवीन भवन/आवास निर्माण कार्यों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्यतः शामिल करें। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत विभिन्न विभागों को प्राप्त हुई शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद कराने के निर्देश दिये। इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण योजना के तहत नए स्वीकृत हितग्राहियों के सर्वे के संबंध में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को परीक्षण करने के निर्देश भी दिये। इस दौरान उन्होंने लोक सेवा ग्यारंटी (समय बाह्य प्रकरणों), म.प्र. उच्च न्यायालयः व्यवहार न्यायालय में लंबित याचिकाओं तथा अवमानना के प्रकरणों आदि की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

सीएम डेशबोर्ड की समीक्षा

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सीएम डेशबोर्ड की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को समयसीमा में प्रदान करें। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। उन्होंने बताया कि सीएम डेशबोर्ड के माध्यम से सभी विभागों की योजनाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है।

किसान भाई नरवाई नहीं जलाएं

कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले सभी किसान भाईयो से अनुरोध किया है कि वे नरवाई नहीं जलाएं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने बताया कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि अगले वर्ष से जिन किसानों द्वारा नरवाई जलाई गई है, उन्हें उपार्जन एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं दिया जायेगा। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाएं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने नरवाई जलाने के संबंध में सेटेलाईट से प्राप्त हुई सूची के अनुसार जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदारों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार रात्रि में भ्रमण करें। पटवारियों के माध्यम से उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों, जिनके द्वारा खेतों में फसलों के अवशेष (नरवाई) जलाई गई है, की सूची तैयार कराने के निर्देश भी दिये। उप संचालक कृषि ने बताया कि शाजापुर जिले में 517 नरवाई जलाने के प्रकरणों में कुल 15.74 लाख रूपये अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित की गई है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले व गुलाना श्री सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री राजकुमार हलदर व सुश्री नेहा गंगारे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को सम्मान पूर्वक बिदाई देते हुए पीपीओ प्रदान किए

माह अप्रैल 2025 में 19 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पीपीओ का वितरण

शाजापुर। माह अप्रैल 2025 में सेवानिवृत्त हुए 19 शासकीय सेवकों में से उपस्थित 12 को आज समारोहपूर्वक पीपीओ वितरित किये गये। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने उन्हें भुगतान किए जाने वाले सभी क्लेम की भी समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री बाफना ने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने सभी सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करें एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उन्होंने सभी को बिना चिंता के खुश एवं स्वस्थ्य रहने के लिए कहा। साथ ही सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के क्लेम का सेवानिवृति के एक सप्ताह के भीतर भुगतान करे, ताकि पेंशनरों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी ने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को शुभकामनाएं भी दी। सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों में आज श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा, सरस्वती वर्मा, श्री मोहनप्रसाद त्रिवेदी एवं श्री श्याम तोमर को शॉल-श्रीफल एवं पुष्पहार से सम्मानित कर पीपीओ भेंट किये गये।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में प्रवेश के लिए पंजीयन 31 मई तक

शाजापुर। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिकों के बालक-बालिकाओं के लिये श्रमोदय आई. टी. आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि नये सत्र के लिये आवेदक 222.स्रह्यस्र.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ वेबसाईट पर आवेदन 31 मई तक कर सकते हैं। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन, मेकाट्रानिक्स, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग अस्टिटेंट दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार फैशन डिजाईन एण्ड टेक्नालॉजी, ईटीरियर डिजाईन एण्ड डेकोरेशन, आई.ओ.टी. स्मार्ट सिटी वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिये प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी पाठ्यक्रमांक के लिये दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

देश के पहले विस्टाडोम कोच ट्रेन सेवा की शुरुआत, पर्यटक उठा सकेंगे 109 किमी जंगल सफारी का लुफ्त

लखनऊ, राष्ट्रीय जनभावना। उत्तर प्रदेश के पर्यटकों के लिए एक अच्छी खबर है. अगर आप भी जंगल, वन्यजीव और प्रकृति के शौकीन हैं, तो अब रोमांचक सफर के लिए ट्रेन से जंगल की सैर का आनंद उठा सकते हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां जंगल सफारी के लिए विस्टाडोम कोच ट्रेन सेवा शुरू की गई है. यह खास ट्रेन सेवा कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से लेकर दुधवा टाइगर रिजर्व तक शुरू की गई है, जिसमें विस्टाडोम कोच लगे हैं. इन कोचों की खिड़कियां और छतें पारदर्शी होती हैं, जिससे यात्री प्रकृति, जंगल और जानवरों को बेहद करीब से देख सकते हैं.

मात्र 275 रुपये में मिलेगा 107 किलोमीटर लंबा जंगल सफारी का अनुभव

विस्टाडोम कोच ट्रेन सेवा की शुरुआत फिलहाल शनिवार और रविवार को की गई है. यह सफर लगभग 107 किलोमीटर का है और इस यात्रा में वेटलैंड, घास के मैदान, खेतों और घने जंगलों का खूबसूरत दृश्य देखने को मिलता है. सफर की कुल अवधि 4 घंटे 25 मिनट है. ट्रेन बिछिया (बहराइच) से सुबह 11:45 बजे चलकर मैलानी (लखीमपुर खीरी) दोपहर 4:10 बजे पहुंचती है. वापसी ट्रेन सुबह 6:05 बजे मैलानी से चलकर 10:30 बजे बिछिया पहुंचती है.

पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच है कि दुधवा नेशनल पार्क, कतर्नियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य को एकीकृत कर राज्य के ÒOne Destination Three ForestÓ के रूप में पहचान दिलाई जाए. इसी उद्देश्य से इस सेवा की शुरुआत की गई है. यह सेवा अभी सप्ताह में दो दिन मिल रही है, लेकिन जल्द ही इसे सप्ताह के सातों दिन उपलब्ध कराया जाएगा. इस सेवा से ना सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आसपास के इलाकों में रोजगार के भी नए अवसर खुलेंगे.

सरकारी स्कूल के बच्चों और ट्रैवल ब्लॉगरों के लिए खास टूर

उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म बोर्ड द्वारा सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए विशेष टूर की व्यवस्था की जा रही है, जिससे वे जंगल और प्रकृति के महत्व को समझ सकें. इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और ट्रैवल ब्लॉगर्स को भी इस सेवा से जोड़ा जा रहा है ताकि विस्टाडोम कोच सेवा का डिजिटल प्रचार-प्रसार हो सके. इस सेवा से होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियों को सीधा फायदा मिलेगा. स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और इको टूरिज्म का विकास होगा.

लोकमाता पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित प्रदेश कार्यशाला में सम्मिलित हुआः मुख्यमंत्री

लखनऊ। अहिल्याबाई होल्कर जी ने सत्ता संभालने के बाद बहुत ही स्पष्ट उद्घोषणा की थी कि मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है। न्याय का पथ हमें सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है और उसी भाव के साथ उन्होंने उस कालखंड में सनातन धर्म की पुनर्स्थापना में अपना योगदान दिया था। उस विशाल और विराट व्यक्तित्व के प्रति भारत की सनातन धर्म की पवित्र परंपरा ने उन्हें पुण्यश्लोक के रूप में सादर नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है।

नगर निगम, गोरखपुर द्वारा ?14.22 करोड़ की लागत से नवनिर्मित नगरीय सेवा केंद्र एवं सीनियर सिटीजन डे-केयर सेंटर का लोकार्पण किया : सीएम योगी

गोरखपुर नगर निगम से संबंधित जितनी भी सेवाएं हैं, उनके लिए अब नगर निगम कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, नवनिर्मित नगरीय सेवा केंद्र द्वारा 16 वार्डस को सभी प्रकार की सुविधाएं, एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी। साथ ही, बुजुर्गों को सीनियर सिटीजन डे-केयर सेंटर के माध्यम से बेहतर सुविधाएं भी मिलेंगी। गोरखपुर वासियों को हार्दिक बधाई!

ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग योजना के नाम पर फर्जीवाड़ा- हजारों महिलाओं से लाखों की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग योजना के नाम पर 2250 महिलाओं से करीब 33 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक एनजीओ के नाम पर महिला उत्थान समिति बनाकर गांव-गांव से महिलाओं को जोड़ा गया और उन्हें स्वरोजगार का सपना दिखाकर पैसे वसूले गए। यह मामला थाना जारचा क्षेत्र के ततारपुर गांव की रहने वाली रेखा रानी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद सामने आया है। पीड़िता के अनुसार, पड़ोसी गांव चौना निवासी फतेह सिंह ने उसका परिचय बागपत के रहने वाले जितेंद्र, रविंद्र और सौरभ जैन से कराया था। इन लोगों ने खुद को केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त महिला उत्थान समिति का सदस्य बताते हुए लघु उद्योग योजना शुरू करने की बात कही थी। इस योजना के अनुसार, प्रत्येक महिला को 1,900 रुपये देकर समूह की सदस्यता लेनी थी। एक समूह में 14 महिलाएं रखी जातीं और बाद में हर सदस्य को 10,000 रुपये का लोन दिए जाने का वादा किया गया था। यह राशि मासिक 167 रुपये की किस्तों में चुकानी थी। इसी योजना के अंतर्गत 2250 महिलाओं से कुल मिलाकर 33 लाख रुपये वसूले गए, लेकिन किसी को भी वादा किया गया पैसा नहीं मिला। जब लंबे समय तक कोई सहायता नहीं मिली और योजनाएं धरातल पर नहीं उतरीं।

अवैध रुप से ग्रेटर नोएडा में रह रहे दो नाईजीरियन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। अवैध रूप से भारत में रहकर अपनी कम्युनिटी के लोगों के लिए पार्टी ऑर्गनाइज करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी है। आरोपियों के पास से कोई दस्तावेज भी नहीं मिला है। इस मामले में सेंट्रल एजेंसी की मदद ली जाएगी। डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि नाइजीरिया के विक्टर और कैसेंड्रा को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक कार, शराब और अन्य सामान बरामद हुआ है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी की धारा के साथ 14 विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है आरोपी वीकेंड पर पार्टी कराने वाले थे। इसमें पेमेंट के बाद अफ्रीकी देशों के लोग यहां आने वाले थे। ज्यादातर यहां के कॉलेजों में पढ़ाई करते हैं। उनके कुछ इंडियन दोस्त भी थे। पुलिस के मुताबिक उनके पास से यूपी और हरियाणा मार्का की विस्की, बियर, वोडका, प्रीमियम विस्की बरामद की गई है। सामान के हिसाब से पार्टी में 50 से ज्यादा लोगों के आने की संभावना थी। आरोपियों के पास कोई दस्तावेज नहीं मिला है। वह पुलिस को गुमराह करने वाले बयान दे रहे हैं। पता चला है कि आरोपी बड़ी सोसायटी में सामान्य से 2 से 3 गुना ज्यादा किराया देकर फ्लैट ले रहे हैं। उन्हें बिना वेरिफिकेशन के फ्लैट भी दिया जा रहा है।

भव्य तिरंगा यात्रा, सड़कों पर लगे भारत माता की जय के नारे, देशभक्ति में डूबे लोग

गोरखपुर । 15 मई को गोरखपुर शहर देशभक्ति के रंग में रंगा दिखा। हाल ही में पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी घटना के जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के समर्थन में शहरवासियों ने एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली.

इस यात्रा में युवा, बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी उत्साह से शामिल हुए. यात्रा की शुरुआत शहर के नगर निगम चौराहे से हुई और पूरे मार्ग पर झभारत माता की जयझ, वंदे मातरम्झ और झपाकिस्तान मुर्दाबादझ के नारों से जोश और गर्व का माहौल बना रहा. यात्रा में शामिल दुर्गेश ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की सुरक्षा एजेंसियों का एक सशक्त जवाब है. खासतौर पर जिस बहादुरी से 'कर्नल सोफिया कुरैशी' ने इस मिशन को अंजाम दिया, वह सराहनीय है. हमें उन पर गर्व है. इस तिरंगा यात्रा में बच्चे भी तिरंगा लिए हुए दिखे. बुजुर्गों में भी

जोश की कोई कमी नहीं थी. 60 वर्षीय खेमका ने कहा, अगर देश को जरूरत पड़ी तो हम जैसे बुजुर्ग भी बॉर्डर पर जाने से पीछे नहीं हटेंगे. पाकिस्तान को हर हाल में जवाब मिलना चाहिए. यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के प्रति समर्थन का प्रतीक बनी और दिखाया कि देश की आम जनता आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है. हर चेहरे पर गर्व, हर कदम पर देशभक्ति और हर आवाज में भारत के लिए सम्मान था. बुजुर्गों के साथ बच्चों में भी पूरा जोश देखा जा रहा था. गोरखपुर की यह तिरंगा यात्रा एक साफ संदेश लेकर निकली कि भारत आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकता है और देश की जनता हर कदम पर अपनी सेना और सरकार के साथ है. ऑपरेशन सिंदूर की गूंज गोरखपुर की सड़कों पर सुनाई दी, जहां तिरंगे के साथ निकली यह यात्रा देशभक्ति की एक नई भावना को जन्म दे गई.

प्रदेश के हर मंडल में स्थापित हो आयुष महाविद्यालयः योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री ने कहा आयुष की सभी विधाओं को इंटीग्रेटेड करते हुए एक ही कैम्पस में उपलब्ध कराएं बोले आयुष के सभी संस्थानों में नेचुरोपैथी एवं योग सेंटर की व्यवस्था भी करें -सभी रिक्त पद भरे और आयुष क्षेत्र में निजी निवेशकों को आकर्षित करने के दिए निर्देश लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयुष विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल में एक इंटीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय की स्थापना सुनिश्चित की जाए, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष की सभी पद्धतियों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल आयुष चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य-आधारित शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए। सभी स्वीकृत शैक्षणिक व चिकित्सकीय पदों को शत-प्रतिशत भरने की कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। सभी आयुष संस्थानों में हों पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्रारंभ किए जाएं, जो सरकारी या पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में संचालित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से हो और प्रदेश भर में आयुष विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी प्राथमिकता से पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने निजी क्षेत्र को भी इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निजी निवेशकों को आयुष सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र में संचालित आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों के बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, फैकल्टी एवं स्टाफ की गुणवत्ता का गहन परीक्षण कराया जाए ताकि कोई कमी न रह जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां गंभीर बीमारियों के उपचार में अत्यंत प्रभावी हैं। इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में बढ़ावा दिया जाए। योग दिवस के लिए अभी से शुरू हो तैयारी मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मण्डलों, जनपदों, नगर निकायों, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

पाकिस्तान को एक दिन आतंकवाद निगल जाएगा...

जनाजे में कोई भी रोने वाला नहीं मिलेगा- तिरंगा यात्रा में गरजे - मुख्यमंत्री

लखनऊ , राष्ट्रीय जनभावना। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना के शौर्य को सलामी देने के लिए बुधवार को अपने सरकारी आवास से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को रवाना किया। इस दौरान सीएम योगी ने हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जवानों, पूर्व सैनिकों, नौजवानों का अभिनंदन किया। सीएम ने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को सैल्यूट करते हुए बहादुर जवानों का अभिनंदन करने के लिए उतावला दिखाई दे रहा है।

इस दौरान सीएम योगी ने पाकिस्तान पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि एक दिन आतंकवाद पाकिस्तान को निगल जाएगा। जब चुनौती हो और राष्ट्रीय संकट के लिए कोई स्पेस दे रहा हो तो धैर्य और एकता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इस माहौल में जवानों के कारण भारत ने पाकिस्तान के हौसले पस्त किए। दुनिया ने पाकिस्तान व उसके आकाओं के बेशर्मी भरे उस चेहरे को भी देखा, जिसमें आतंकियों के जनाजे में वहां के नेता व सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। यह चीजें दिखाती हैं कि पाकिस्तान विफल राष्ट्र है और 70-75 वर्षों में उसने केवल आतंकवाद के बीज बोए हैं। पाकिस्तान ने अपनी विफलता की कहानी ही दुनिया को बताई है। आतंकवाद को दिए जा रहे प्रश्रय इस बात को साबित करते हैं कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को भी निगल देगा। खोखला हो चुका पाकिस्तान आज जिस प्रकार का दुस्साहस कर रहा है, ऑपरेशन सिंदूर उसका जवाब था। आने वाले समय में यह तय है कि भारत की तरफ जो भी अंगुली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा।

सेना ने दिया संदेश- छेड़ेंगे नहीं, लेकिन छेड़ने वालों को छोड़ेंगे भी नहीं

सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में वीभत्स व बर्बर घटना को अंजाम दिया था, जिसकी निंदा देश-दुनिया ने की थी, लेकिन आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान व उसके आका मौन रहे। भारत के आन-मान-शान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने सारे प्रमाण दिए, उसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो अंततः %ऑपरेशन सिंदूर% चलाया गया। पहले ही दिन 100 से अधिक आतंकियों व प्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के विषबेल को पालने-पोसने में योगदान देने वाले उनके परिवार से जुड़े लोगों को वीभत्स कृत्य की सजा दी गई। सभी ने भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्य का लोहा माना। पाकिस्तान की हिमाकत का थल, वायु व नौसेना के बहादुर जवानों ने मजबूती से जवाब दिया और दुनिया को भी संदेश दिया कि हम छेड़ेंगे नहीं, लेकिन छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं।

भारत के आन, मान-शान तथा शौर्य-पराक्रम का प्रतीक है तिरंगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जवानों के सम्मान में भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा प्रारंभ की गई है। यह तिरंगा भारत के आन, मान-शान और शौर्य-पराक्रम का प्रतीक है। तिरंगे के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने, सैनिकों को सर्वोच्च सम्मान देने व पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यूपी में आज से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। भीषण गर्मी के बावजूद इतनी सुबह आपकी उपस्थिति भारतीय सेना के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति का सुंदर उदाहरण है। यही धैर्य व समर्पण का भाव भारतीय नागरिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैनिकों व देश की सरकार के प्रति व्यक्त किया।

... फिर दुनिया की कोई ताकत भारत के सामने टिक नहीं पाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का पहले दिन से ही संकल्प रहा है कि जब हम नए और विकसित भारत की बात करते हैं तो हमारा ध्येय राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए आवश्यक है कि हम राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ काम करें। जब राष्ट्र प्रथम का भाव 140 करोड़ भारतीयों की प्राथमिकता होगी तो अपने-अपने क्षेत्र में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए हर भारतवासी लगेगा, फिर दुनिया की कोई ताकत भारत के सामने टिक नहीं पाएगी। सीएम ने पीएम मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने पूरे देश को एकजुट रखा और पंजाब के आदमपुर में जाकर बहादुर जवानों के हौसलों को बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा के अवसर पर शहीदों के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर एकता का दिया संदेश

रायपुर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर जिले के दुलदुला तहसील के चराईडड़ गांव में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने गांव के शिव मंदिर के प्रांगण में शहीदों के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के प्रति सम्मान और राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए एकजुटता प्रकट करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर बगीचा विकासखंड के शहीद जवान श्री एल. के. तिर्की की पत्नी श्रीमती रोजालिया तिर्की, शहीद जवान श्री एमानुएल केरकेट्टा की पत्नी श्रीमती निर्मला केरकेट्टा, शहीद जवान श्री अलेक्जेंडर लकडा की पत्नी श्रीमती

अल्मा लकड़ा, शहीद जवान श्री प्रभु प्रकाश की पत्नी श्रीमती ईमालिया एक्का, शहीद जवान श्री सुनील लकड़ा के परिजन श्री ऐलिन लकड़ा, शहीद जवान श्री एच. सी. इलिसियुस लकड़ा के परिजन कान्ति लकड़ा और जशपुर विकास खंड के भूतपूर्व सैनिक श्री नायक राजू राम, कांसाबेल विकास खंड के भूतपूर्व सैनिक स्वर्गीय श्री रजनीश बड़ा के परिजन मनोभा केरकेट्टा, कुनकुरी विकास खंड के भूतपूर्व सैनिक स्वर्गीय श्री फबीयानोस लकड़ा की पत्नी श्रीमती सुशन लकड़ा और शहीद जवान श्री सिमोन केरकेट्टा की बहु श्रीमती माटिल्डा केरकेट्टा को सम्मानित किया।

विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, पद्मश्री श्री जगेश्वर यादव, श्री विक्रमादित्य सिंह जूदेव, श्री भरत साय, श्री सुनील गुप्ता, श्री कृष्णा राय, सरगुजा कमिश्नर श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा, आईजी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, जनप्रतिनिधिगण, आम नागरिक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

अटल मॉनिटरिंग पोर्टल पर सूरजपुर जिला स्वास्थ्य सेवाओं में पूरे प्रदेश में अव्वल

रायपुर, राष्ट्रीय जनभावना। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2024-25 की अटल मॉनिटरिंग पोर्टल रैंकिंग में पूरे राज्य में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गुणवत्ता, प्रभावशीलता और पहुँच को दर्शाती है। अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के निवारक, प्रोत्साहनात्मक और उपचारात्मक पक्षों का आकलन किया जाता है। इस मूल्यांकन में सूरजपुर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के माध्यम से जनसामान्य तक उत्तम सेवाएं पहुँचाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जन-जागरूकता अभियान, तथा सेवा प्रदाय की सतत निगरानी ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में और सीएमएचओ श्री के डी पैकरा, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम एवं डीपीएम श्री प्रिंस जायसवाल के कुशल नेतृत्व एवं चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतरी के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए कलेक्टर द्वारा नियमित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की जाती है और सभी स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया जाता है।

चिंगावरम, सुकमा में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं मंत्री केदार कश्यप का दौरा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप एकदिवसीय दौरे पर आज सुकमा जिले के चिंगावरम पहुंचे। उनके साथ बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री पी. सुंदरराज, कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव तथा महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ चिंगावरम में 17 मई 2010 को नक्सलियों द्वारा किए गए बम विस्फोट में शहीद हुए वीर जवानों और ग्रामीणों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया। शहीदों के चित्रों पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर बस दुर्घटना से प्रभावित परिवारों और ग्रामीणों ने भी वीर बलिदानियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने सभी शोक संतृप्त परिवारों से सीधा संवाद किया, उनका हालचाल जाना और पूर्व की घटना से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय स्वयं आदिवासी समाज से हैं और पूरे प्रदेश का नेतृत्व कर रहे हैं। गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि 31 मार्च 2026 तक देश से सशस्त्र माओवाद पूर्णतः समाप्त कर दिया जाएगा और अगले एक साल के भीतर प्रदेश में शांति व्यवस्था स्थापित कर दी जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि कोई भटके हुए लोग उनके संपर्क में हों, तो उन्हें समझाकर समाज की मुख्यधारा में लाएं। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने बस्तर के विकास और इसे नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का भी संकल्प है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार चिंगावरम के एक-एक व्यक्ति के साथ है। वर्तमान में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है और यह क्षेत्र आने वाले एक वर्ष के भीतर नक्सलमुक्त होगा और विकास की ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। मैं हमारे अमर शहीदों को प्रणाम करता हूँ, जिनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। कार्यक्रम के अंत में गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस दुर्घटना में शहीद हुए वीर जवानों और ग्रामीणों के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने चिंगावरम में शहीदों की स्मृति में एक सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की, जिसमें सभी बलिदानियों की तस्वीरों के साथ एक स्मारक भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने पंचायत में एक रंगमंच निर्माण, एक स्टॉप डेम की मरम्मत और पक्की सड़क निर्माण की भी घोषणा की। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में आज चिंगावरम में एक भव्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे। रैली में चिंगावरम और आसपास के ग्रामीणों ने भारी उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ भाग लिया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोग तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ चल रहे थे। इस आयोजन ने न केवल सुरक्षा बलों के अदम्य साहस को सम्मानित किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि अब बस्तर का आम नागरिक भी आतंक और भय के विरुद्ध खड़ा है।

कोरबा जिले की सड़कों का होगा कायाकल्प, 143 करोड़ रूपए की मिली स्वीकृति: उद्योग मंत्री श्री देवांगन

मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा के सात वार्डों में 68 लाख रूपये के नवीन विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर, राष्ट्रीय जनभावना। उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि कोरबा जिले की सड़कों के निर्माण एवं उनका कायाकल्प करने हेतु जिला खनिज न्यास मद से 143 करोड़ रूपये की नवीन स्वीकृति प्रदान की गई हैं, जिसमें कोरबा विधानसभा क्षेत्र में 35 करोड़ रूपये से बनने वाली सड़कें भी शामिल हैं। उन्होने कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा और कोरबा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विगत 15 महीनों में लगभग 400 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान किए जा चुके हैं, जिनमें से अनेकों कार्य प्रगति पर हैं, वहीं अनेक कार्य शीघ्र प्रारंभ होने जा रहे हैं। कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, मैं भरोसा दिलाता हूँ कि कोरबा के विकास हेतु धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री श्री देवांगन आज कोरबा शहर के 07 वार्डों के लिए 68 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा जोन के 09 वार्डों में 86 लाख रूपये के कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किए जाएंगे, वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र में 23 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की घोषणा की थी, जिनमें से लगभग 04 करोड़ रूपये के विकास कार्य कोरबा जोन के वार्डो के लिए थे। उन्होने कहा कि कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है तथा आश्वस्त करता हूँ कि कोरबा के विकास धनराशि की कमी नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ वासियों को जो वादे किए थे, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उन वादों पूरा कर रहे है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को 1000 रूपये प्रतिमाह उनके खाते में अंतरित करने का वादा भी पूरा किया है। भूमिपूजन कार्यक्रम को महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपुत ने भी संबोधित किया।

शराब घोटाला...15 ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले केस में शनिवार सुबह एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीमों ने सुकमा, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, अंबिकापुर और रायपुर में एक साथ छापेमारी की। 5 जिलों के करीब 15 से ज्यादा ठिकानों पर कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि जिन जगहों पर रेड की गई है, वे सभी ठिकाने पूर्व मंत्री कवासी लखमा से जुड़े लोगों के हैं। रायपुर के देवेंद्र नगर के शहीद हेमू कलाणी वार्ड स्थित जी नागेश्वर राव और जी श्रीनिवास राव के घर भी छापा पड़ा। जी नागेश्वर कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। छापेमारी के दौरान टीम कई दस्तावेज और डिजिटल सबूत अपने साथ ले गई है। श्रीनिवास कांग्रेस से पार्षद प्रत्याशी थे। नागेश्वर राव कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के करीबी हैं। सुबह 2 गाड़ियों में करीब 8-10 अधिकारियों ने दबिश दी। इसके साथ ही संतोषी नगर स्थित कमलेश नहाटा के घर पर भी छापा पड़ा। एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने दस्तावेजों को खंगाला। वहीं ईओडब्ल्यू की छापेमारी को लेकर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि कार्रवाई लगातार जारी है। शिकायतें मिलने के बाद केंद्रीय और राज्य की एजेंसियां जांच कर रही हैं, जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दी जाएगी। वहीं दंतेवाड़ा में कांग्रेस नेता राजकुमार तामो के घर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने दबिश दी।

तिरंगा यात्रा में प्रदेशभर में उमड़ा जनसैलाब: मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों ने किया नेतृत्व

हर जिले में गूंजा भारत माता की जय, हर गांव में लहराया तिरंगा

रायपुर, राष्ट्रीय जनभावना। छत्तीसगढ़ में 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक' कार्यक्रम और 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा को जनमानस से जोड़ने के लिए आज पूरे प्रदेश में भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। यह आयोजन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, भारतीय सेना के साहस को सम्मान और नागरिक एकजुटता का स्पष्ट प्रतीक बन गया। जशपुर जिले के दुलदुला तहसील के चराईडांड़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिकों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्र की एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत कर राष्ट्रीय संकल्प को जनआंदोलन में बदला। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने बिलासपुर में मिनी स्टेडियम से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। लखीराम अग्रवाल स्टेडियम तक निकली इस यात्रा में सांसद, महापौर, अधिकारी और जनसामान्य की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सुकमा जिले के चिंगावरम में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा और वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। इस आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया और स्पष्ट किया कि अब बस्तर आतंक से नहीं, आत्मबल से पहचाना जाएगा। राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह स्वयं ग्राम भरेगांव और शहर में

आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की ताकत का जीवंत उदाहरण है। आम नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लेकर सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि दी। रायगढ़ जिला मुख्यालय में राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह और लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया के नेतृत्व में निकली यात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। यह यात्रा शहीदों और पहलगाम हमले की पीड़ित माताओं को सम्मान देने का जनसंकल्प बनी। कोरबा में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के नेतृत्व में घंटाघर चौक से निकली यात्रा में महापौर, कलेक्टर और एसपी सहित हजारों लोगों की भागीदारी रही। 'जय हिंद', 'वंदे मातरम' के नारों ने वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। महासमुंद जिला मुख्यालय में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और विधायक श्री योगेश्वर सिन्हा के नेतृत्व में यात्रा गांधी चौक से हाई स्कूल मैदान तक संपन्न हुई। ग्रामीणों, एनसीसी, स्काउट, महिला समूहों की भारी भागीदारी रही। कवर्धा जिले में गांव-गांव तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें सरपंच, शिक्षक, युवा मंडल और आम नागरिकों ने मिलकर सेना के प्रति सम्मान प्रकट किया। यह आयोजन जनजागृति का सशक्त मंच बना। बालोद जिला मुख्यालय में वल्लभ भाई पटेल मैदान से निकली यात्रा पुष्प वर्षा और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान रही। दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही, अर्जुंदा जैसे निकायों में भी समान उत्साह देखा गया। कोण्डागांव जिला में विधायक सुश्री लता उसेंडी और कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना की उपस्थिति में पलारी गांव और नगर क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली गई। पूर्व सैनिकों का सम्मान और युवाओं को सेना में सेवा का आह्वान मुख्य आकर्षण रहा। सरगुजा जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में विधायक श्री राजेश अग्रवाल और कलेक्टर श्री विलास भोसकर की उपस्थिति में भव्य यात्रा निकाली गई। बच्चों, युवाओं, महिलाओं ने पूरे जिले में देशभक्ति का वातावरण रचा। जांजगीर-चांपा जिले में हाई स्कूल मैदान से प्रारंभ तिरंगा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। स्काउट गाइड, हसदेव हीरो, खिलाड़ियों और एनएसएस के छात्रों ने शानदार उपस्थिति दर्ज की। नारायणपुर जिला मुख्यालय में जय स्तंभ चौक पर सामूहिक राष्ट्रगान और शपथ के साथ तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। बलरामपुर जिला मुख्यालय में मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। शहीद चौक से आरंभ हुई यात्रा में नागरिकों ने वीर जवानों को नमन किया और ऑपरेशन सिंदूर को जनभावना का समर्थन मिला। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र में महिला समूहों, ग्राम पंचायतों और जनप्रतिनिधियों की अगुवाई में अनुशासित और संगठित तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रप्रेम की नई ऊर्जा लेकर आया। सिरपुर (महासमुंद) की ऐतिहासिक धरती पर तिरंगा यात्रा जिला प्रशासन के नेतृत्व में निकाली गई, जहां स्काउट-गाइड और छात्रों ने सांस्कृतिक और राष्ट्रीय भावनाओं को एक मंच में पिरोया। इस प्रदेशव्यापी तिरंगा यात्रा ने यह सिद्ध किया कि छत्तीसगढ़ का हर नागरिक राष्ट्र की एकता, अखंडता और सेना के प्रति सम्मान में एकजुट है। यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक चेतना, आस्था और संकल्प का महोत्सव है।

इंग्लैड दौरे के लिए अभिमन्यु ईश्वरन बने इंडिया ए के कप्तान, ऋषिकेश बने कोच

मुम्बई । अभिमन्यु ईश्वरन को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस दौर लिए पूर्व ऑलराउंडर ऋषिकेश कानितकर को मुख्य कोचा बनाया है जबकि दत्ता गेंदबाजी व जॉयदीप भट्टाचार्य फील्डिंग कोच होंगे। इस दौरे में वाली इंडिया ए टीम तीन मैच खेलेगी। इसमें दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होंगे। पहला 30 मई से 2 जून तक कैंटरबरी में जबकि दूसरा 6 से 9 जून तक नॉर्थम्प्टन में खेला जाएगा। इसके बाद इंडिया ए भारतीय टीम के साथ एक अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खिलाड़ियों के पहले जत्थे के साथ इंग्लैंड पहुंचेंगे। इंडिया ए के कोच बनाये गये कानितकर ने 146 प्रथम श्रेणी मैचों में 52.26 की औसत से 10,400 रन बनाए हैं! इससे पहले कानितकर भारतीय महिला टीम, के अलावा अंडर-19 टीम के भी कोच रहे हैं।

विराट के सम्मान में सफेद कैप में पहुंचे थे प्रशंसक

बेंगलुरु । टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार मैदाने पर उतरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज के विराट कोहली के सम्मान में प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट की सफेद कैप में पहुंचे थे। बारिश के कारण हालांकि ये मैच नहीं हो पाया। इस मैच में सभी प्रशंसक विराट की बल्लेबाजी देखने पहुंचे थे। वहीं आसमान में सफेद कबूतरों का एक झुंड मैदान के ऊपर उड़ता नजर आया। स्टैंड में बैठे प्रशंसकों के लिए ये अनूठा नजारा था। कबूतरों को देखकर लगा जैसे वे भी विराट को देखना चाहते थे। बारिश के कारण मैच में टॉस तक नहीं हुआ। इस प्रशंसकों को काफी निराश हुई। आरसीबी की टीम 12 मैच के बाद 8 जीत 3 हार और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के बाद 17 अंक पर पहुंच गयी है। हो गए हैं। इस मैच में कोलकाता के साथ एक अंक बांटने के बाद आरसीबी की प्लेऑफ में तय हो गयी है। ये मुकाबल रद्द होने से कोलकाता की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली सत्र की चौथी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी दिग्गज टीमें पहले ही बाहर हो गयीं थीं।

केकेआर का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूटा

बेंगलुरु ।इंडियन प्रीमियर लीग में गत दिवस बारिश के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच नहीं होने से केकेआर की टीम को करारा झटका लगा है।प्लेऑफ में अपनी संभवनाओं के लिए उसके ये मैच जीतन जरुरी था। वहीं आरबीसी अगर ये मैच जीतती तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाती।केकेआर का अब केवल एक मैच बचा है।अब तक 13 मैच खेलने के बाद 5 जीत, 6 हार और 2 बेनतीजा रहे मैचों के कारण टीम के कुल 12 अंक हैं।ऐसे में अगर वह अपना अंतिम मुकाबला जीतती है तो भी कुल14 अंकों तक पहुंच सकती है।ऐसे में उसका प्लेऑफ में पहुंचना कठिन जरुर है पर असंभव नहीं ।केकेआर आब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है।उसका उनका नेट रन रेट (एनआरआर) भी कम है।वहीं आरसीबी 17 अंक, गुंजरात टाइटंस 16 अंक, पंजाब किंग्स (15 अंक) और मुम्बई इंडियंस 14 अंक पहले से ही आगे चल रहे अपने अपने बचे हुए मैचों में उसके पास अपने अंक को बढ़ाने का अवसर भी है।

लखनऊ आईपीएलप्लेऑफ रेस से बाहर: हैदराबाद ने छह विकेट से हराया

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने IPL के 61वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 206 रन का टारगेट दिया है। इकाना स्टेडियम में हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 205 रन बनाए।

ओपनर मिचेल मार्श (65 रन) और ऐडन मार्करम (61 रन) ने फिफ्टी लगाई। निकोलस पूरन 45 रन बनाए। ईशान मलिंगा ने 2 विकेट लिए। सनराइजर्स हैदराबाद ने 18 ओवर के बाद 4 विकेट पर 201 रन बना लिए हैं। कामिंडू मेंडिस नाबाद हैं। हेनरिक क्लासन (47 रन) को शार्दूल ठाकुर ने आउट किया। दिग्वेश राठी ने ईशान किशन (35 रन) और अभिषेक शर्मा (59 रन) को आउट किया। उन्होंने 8वें ओवर में अभिषेक शर्मा के साथ मैदान पर बहस की। अभिषेक को आउट करने के बाद दिग्वेश ने कॉपी बुक सेलिब्रेशन किया। इस पर अभिषेक भड़क गए और दोनों में बहस होने लगी। फील्ड अंपायर्स ने बीच-बचाव किया। विलियम ओरूर्क ने दूसरे ओवर में अथर्व तायडे (13 रन) को कैच कराया। 18वें ओवर में कामिंडू मेंडिस रिटायर हर्ट हो गए। उन्होंने 31 बॉल पर 32 रन बनाए। शार्दूल ठाकुर के ओवर की आखिरी बॉल पर दिग्वेश राठी को चोट लगी। 17वां ओवर डाल रहे आकाश दीप ने महज 8 रन खर्च किए। यहां से हैदराबाद को 18 बॉल पर 19 रनों की जरूरत है। 14वें ओवर में कामिंडू मेंडिस ने दिग्वेश राठी के ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। इस ओवर से 17 रन आए।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

बारबाडोस । दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है।

सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेह्रिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेह्रिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है। उन्होंने कहा, सीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं। वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इज़ाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है ।

दोहा में आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस मिश्रित चैम्पियनशिप में खेलते हुए लियान पिटफोर्ड और अन्ना हर्सी।

धोनी का संन्यास अभी नहीं! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा।

टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका

साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी का मार्गदर्शन टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम है और अभी भी उनकी उपस्थिति ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास भरती है। धोनी से जब एक मुकाबले के बाद पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन होगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर वे कुछ समय बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना पूरी तरह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। धोनी का यह बयान भी इस ओर इशारा करता है कि वे अभी अपने रिटायरमेंट को लेकर जल्दबाज़ी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते। भले ही इस सीजन में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा हो, लेकिन फैंस का धोनी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ है। वे अब भी धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखना चाहते हैं और यही समर्थन शायद धोनी को एक और सीजन तक मैदान पर बनाए रखे। ऐसे में अब सबकी नजरें धोनी के अगले कदम पर टिकी हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो 'थाला' अगले साल भी मैदान में कमाल करते नजर आ सकते हैं।

लॉर्ड कर्ज़न की हवेली को मिला ';' सर्टिफिकेट

अभिनेता और फिल्ममेकर अंशुमन झा की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म लॉर्ड कर्ज़न की हवेली को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से ';' सर्टिफिकेट मिल गया है, लेकिन इसके साथ ही तीन जरूरी बदलाव भी मांगे गए हैं। 3 जनवरी 2025 को फिल्म की सेंसर स्क्रीनिंग हुई थी और चार महीने से ज़्यादा लंबी प्रक्रिया के बाद फिल्म को मंजूरी मिली है। लेकिन मेकर्स इस सर्टिफिकेट से खुश नहीं हैं।निर्देशक अंशुमन झा ने बताया कि छ्क्नष्ट ने एक महिला किरदार द्वारा बोले गए एक गाली को हटाने या म्यूट करने को कहा क्योंकि उसमें महिला-संबंधित शब्द जुड़ा हुआ था, जबकि फिल्म को पहले ही सर्टिफिकेट दिया जा चुका है। लॉर्ड कर्ज़न की हवेली एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर है, जो पिछले साल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट पर काफी सराही गई है।

साथ रहना ही एकमात्र सच्चाई है

पर्यावरण प्रेमी रणदीप हुड्डा ने आज सोशल मीडिया पर विश्व संकटग्रस्त प्रजाति दिवस (वर्ल्ड एंडेंजर्ड स्पीशीज़ डे) के मौके पर एक खास संदेश साझा किया। रणदीप ने संकट में पड़ी जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण के लिए जागरूक किया। उन्होंने अपनी क्लिक की गई कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी साझा कीं, जो उनके इस जुनून को दर्शाती हैं।

रणदीप ने अपनी पोस्ट में लिखा, मदर अर्थ एक बहुत ही नाजुक और संतुलित इकोसिस्टम है। अगर एक प्रजाति खत्म हो जाए, तो कई और भी उससे प्रभावित होती हैं या खत्म हो सकती हैं। एंडेंजर्ड स्पीशीज़ डे पर आइए इस आपसी निर्भरता की सुंदरता को समझें और उसका सम्मान करें। अगर आज की संकटग्रस्त प्रजातियों को नहीं बचाया गया, तो आने वाले समय में इंसान खुद संकट में होंगे। मेरा प्रकृति के साथ जुड़ाव और इनमें बसने वाले जीवों को कैमरे में कैद करने का प्यार सालों पहले शुरू हुआ था।

ऋतिक ला रहे हैं धमाकेदार सरप्राइज!

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। उन्होंने खुलासा किया है कि वह एनटीआर के जन्मदिन (20 मई) के मौके पर 'वॉर 2' के जरिए एक धमाकेदार सरप्राइज़ देने वाले हैं।

ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखाऱ्हे एनटीआर, लगता है तुम्हें पता है 20 मई को क्या होने वाला है? यकीन मानो, तुम्हें बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं है कि क्या आने वाला है। तैयार हो? इस पोस्ट ने इंटरनेट पर आग लगा दी! फैंस के बीच 'वॉर 2' से जुड़ी किसी बड़ी घोषणा की चर्चा शुरू हो गई है। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन फिर एक बार कबीर के रूप में लौट रहे हैं, और इस बार उनके साथ होंगे पैन इंडिया सुपरस्टार एनटीआर। इस हाई-ऑक्टेन फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अयान मुखर्जी, जिन्हें युवा और प्रतिभाशाली निर्देशक के रूप में जाना जाता है।

एक्टर का काम देश चलाना नहीं

अभिनेत्री रोज़लिन खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने उन बड़े टीवी एक्टर्स का बचाव किया, जिन्हें इस बात के लिए ट्रोल किया जा रहा है कि उन्होंने भारत-पाक हालात पर लंबा बयान क्यों नहीं दिया। कुछ लोग मानते हैं कि इन कलाकारों को खुलकर बोलना चाहिए था और एक साइड लेना चाहिए था। रोज़लिन कहती हैं, मैं यह वीडियो उन एक्टर्स के समर्थन में बना रही हूं, जिन्हें चुप रहने के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। जब पहलगाम अटैक हुआ था, लोग सदमे में थे, लेकिन कुछ छोटे कलाकारों ने सिर्फ दूसरों पर इल्ज़ाम लगाना शुरू कर दिया कि बड़े स्टार्स क्यों नहीं बोले। अब क्या आपकी इंस्टाग्राम की कैप्शन ही तय करेगी कि कोई कितना देशभक्त है? अगर कोई बड़ा एक्टर कुछ नहीं बोलता, तो उसे ग़द्दार कह दिया जाता है, और अगर बोलता है, तो कहा जाता है कि स्क्रिप्ट पढ़ रहा है।कलाकारों ने चुप रहकर सही जब पूरा बॉलीवुड चाहता था कि जंग न हो, तब कुछ लोग चाहते थे कि बड़े स्टार्स गुस्से से भरे बयान दें, नफ़रत फैलाएं, टीआरपी बढ़े और ट्रोल्स को काम मिल जाए। वैसे देखा जाए तो उनका चुप रहना ही सबसे समझदारी भरा कदम था।

मौनी रॉय, कान्स फिल्म फेस्टिवल में

अभिनेत्री, एंटरप्रेन्योर और द डार्लिंग डिवा मौनी रॉय 18 और 19 मई को 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म फेस्टिवल में मौनी की उपस्थिति को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि वह फ्रेंच रिवेरा में भारतीय ग्लैमर का तड़का लगाएंगी। फिल्म और टेलीविजन में अपने व्यापक काम के लिए जानी जाने वाली मौनी इस साल प्रतिष्ठित रेड कार्पेट पर चलेंगी, जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंचों में से एक पर भारतीय सिनेमा की जीवंत भावना का प्रतिनिधित्व करेगी। डार्लिंग डिवा को प्रीमियम ब्रांड कैरोलीन कॉउचर द्वारा तैयार किया जाएगा, और उनके आउटफिट में परफेक्ट फिनिशिंग टच देने के लिए प्रतिष्ठित चोपर्ड ज्वैलरी होगी।

नोरा की द रॉयल्स में धमाकेदार प्रस्तुति

द रॉयल्स बड़े इंतज़ार के बाद एक ऐसी कहानी लेकर आई, जिसमें सत्ता, ड्रामा और जटिल रिश्तों की गहराइयाँ थीं। लेकिन जहां कई कलाकारों की परफॉर्मेंस ने अलग-अलग प्रभाव छोड़ा, वहीं नोरा फतेही ने चुपचाप सबको चौंकाते हुए खुद को एक कलाकार के रूप में साबित किया–एक ऐसा किरदार निभाया जो गहराई और संवेदना से भरा था और दर्शकों के दिलों को छू गया।नोरा फतेही ने उम्मीदों से परे जाकर अपने स्थापित डांस और ग्लैमरस के व्यक्तित्व से परे अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। आयशा ढोंडी के रूप में उनकी भूमिका सरल लेकिन प्रभावशाली थी, जिससे उनके किरदार की भावनाओं और उद्देश्यों को प्रामाणिकता के साथ सामने आने का मौका मिला।

मेट गाला में कियारा का खास अंदाज़

दुनियाभर के फैशन स्टेज पर अपनी शानदार एंट्री के एक हफ्ते बाद भी कियारा आडवाणी सुर्खियों में बनी हुई हैं–न सिर्फ अपनी स्टाइल के लिए, बल्कि उस अपार प्यार के लिए भी जो उन्हें मिला। कियारा ने मेट गाला 2025 के लिए स्न्र्द्धह्ल4 की टॉप की वॉयसेज़ लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने सबसे ज़्यादा मीडिया इम्पैक्ट और सोशल मीडिया एंगेजमेंट पाया, जिससे उनका श्वड्डह्लठ्ठद्गस्र स्द्गस्रद्बड्ड ङ्कड्डद्यह्वद्ग (श्वरूङ्क) .15.3 मिलियन तक पहुंच गया–जो कि काइली जेनर, रिहाना और शाहरुख़ ख़ान जैसे सितारों से भी अधिक था।इतिहास रचते हुए, कियारा मेट गाला के रेड कार्पेट पर बेबी बंप के साथ चलने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री भी बन गईं।

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

रत्नागिरि (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में सोमवार को एक कार के जगबुड़ी नदी में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। रत्नागिरी पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब कार सवार मुंबई से देवरख अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर जगबुड़ी नदी में गिर गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

शोपियां में हथियार और गोला-बारूद के साथ दो संदिग्ध गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों को जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) शोपियां, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 178 बटालियन और सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) द्वारा स्थापित एक चौकी पर गिरफ्तार किया गया।

मणिपुर में उग्रवादी पकड़ा गया

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान तलाशी अभियान चलाकर इम्फाल पश्चिम जिले के मायांग इंफाल-पीएस के अंतर्गत मायांग इंफाल बाजार से एक उग्रवादी को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि वह जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। मणिपुर पुलिस ने लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आगामी शिरुई ल्होबर के मद्देनजर उखरुल में सुरक्षा बढ़ा दी है।

लश्कर के कमांडर सैफुल्लाह को अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया

बादिन (एजेंसी)। पाकिस्तान में सिंध प्रांत के बादिन जिले के मतली इलाके में रविवार को अबू सैफुल्लाह निजामनी, लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी समूह के शीर्ष कमांडर गाजी अबू सैफुल्लाह को अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार सैफुल्लाह को उसके घर के पास गोली मारी गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाइडेन जूझ रहे है प्रोस्टेट कैंसर से

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रोस्टेट कैंसर की समस्या से जूझ रहे हैं। श्री बाइडन (82) की सेहत को लेकर उनके कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक डॉक्टरों ने कहा है कि बाइडन प्रोस्टेट कैंसर के 'आक्रामक रूप' से पीड़ित हैं। जिसका ग्लीसन स्कोर 9 (ग्रेड ग्रुप 5) है। बीमारी उनकी हड्डियों तक फैल चुकी है।

गाजा में राहत की अनुमति देगा इजरायल

यरूशलेम। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा पर नाकाबंदी हटाने के निर्णय की घोषणा की। ताकि इस क्षेत्र में गंभीर मानवीय संकट को लेकर बढ़ रही अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बीच सीमित सहायता के प्रवेश की अनुमति दी जा सके।

मंत्री विजय शाह केस- सुप्रीम कोर्ट ने SIT बनाई

माफी नामंजूर, लेकिन गिरफ्तारी पर रोक

शाह ने कर्नल सोफिया पर कमेंट किया था

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की माफी सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दी है। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है।

इसके साथ ही मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है। इसमें तीन IPS अधिकारी होंगे और सभी मध्य प्रदेश कैडर से बाहर के होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होगी। SIT 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। सुनवाई के दौरान शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने कहा कि कभी-कभी माफी बचने के लिए मांगी जाती है, तो कभी-कभी ये मगरमच्छ के आंसू जैसी होती है। आपका क्या मतलब है? जिस तरह के भद्दे कमेंट उन्होंने किए वह भी बिना सोचे-समझे...अब आप उसके लिए माफी मांग रहे हैं। दरअसल, 14 मई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खुद नोटिस लेते हुए शाह पर स्वत्रुक दर्ज करने का आदेश दिया था। उनके खिलाफ इंदौर के महू थाने में स्वत्रुक दर्ज की गई। इसके खिलाफ शाह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

शाह ने कर्नल सोफिया को आतंकियों की बहन कहा था

मंत्री विजय शाह ने 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था, उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा- अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा, कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है, तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश विभाग के सचिव विक्रम मिसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऑपरेशन और अन्य जानकारियां दे रहे थे।

संभल की विवादित जामा मस्जिद का सर्वे का मुकदमा एक बार फिर से शुरू होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट आज फैसला सुना दिया। मस्जिद कमेटी की सिविल रिवीजन याचिका खारिज की है।

प्रयागराज/संभल (एजेंसी)। 13 मई को बहस पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला रिजर्व रखा था। लोअर कोर्ट यानी दीवानी अदालत संभल ने जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था। इसके खिलाफ मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने हाईकोर्ट में सिविल रिवीजन याचिका दाखिल की थी। बता दें कि इससे पहले 19 नवंबर, 2024 को पहली बार भारतीय पुरातत्व विभाग (ASI) ने सर्वे किया। फिर 176 दिन पहले 24 नवंबर को दोबारा सर्वे शुरू हुआ। इस दिन हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद 8 जनवरी, 2025 को हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए सर्वे पर रोक लगा दी थी। साथ ही सभी पिपक्षियों से जवाब मांगा था। जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष का दावा है कि ये पहले हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर ने 1529 में तुड़वाकर मस्जिद बनवा दिया। इसे लेकर 19 नवंबर 2024 को संभल कोर्ट में याचिका दायर हुई। उसी दिन यानी 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह ने मस्जिद के अंदर सर्वे करने का आदेश दिया।

राहुल का जयशंकर से सवाल

बताइए हमें हमने कितने जहाज खो दिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से ऑपरेशन सिंदूर पर उनकी टिप्पणी को लेकर फिर सवाल किया और पूछा कि ऑपरेशन के दौरान कितने भारतीय विमान खो गए। एक्स पर एक पोस्ट में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जयशंकर की चुप्पी को निंदनीय बताया। राहुल ने लिखा कि विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ़ बयानबाजी नहीं है, यह निंदनीय है। इसलिए, मैं फिर से पूछूंगा- हमने कितने भारतीय विमान खो दिए क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के बयान के बाद पाकिस्तान और पूरी दुनिया में हमारी खिल्ली उड़ रही है। इसलिए राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि आपको जवाब देना चाहिए कि आपने पाकिस्तान को जो चेतावनी दी थी, उससे देश को क्या नुकसान हुआ? हमारे लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि देश के कितने विमान गिरे, देश को क्या नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले? राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने एक बहुत खौफ़नाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया।

यूट्यूबर ज्योति को गिरफ्तार कर एनआईए ले गई चंडीगढ़

हिसार (एजेंसी)। मशहूर यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में आज 19 मई को हिरासत में ले लिया है। सोमवार को एनआईए की एक टीम हिसार पहुंची थी। यहां पूछताछ के बाद ज्योति को चंडीगढ़ ले गई। अब उससे आतंकी नेटवर्क और टेरर कनेक्शन को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी। जम्मू इंटेलिजेंस यूनिट भी इस मामले में अपनी जांच करेगी।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, हिसार पुलिस की हिरासत में रही ज्योति को अब एनआईए टीम ने गिरफ्तार कर चंडीगढ़ अपने साथ ले गई है। बताया जा रहा है कि यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले से पहले कश्मीर गई थी।

कहां-कहां तैनात भारतीय सेना, दुश्मन को मिल रही थी खबर

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लीक करने के आरोप में पंजाब से 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने एक महत्वपूर्ण जासूसी-विरोधी अभियान में गुरदासपुर में संवेदनशील सैन्य जानकारी लीक करने में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार करके राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने के प्रयास को विफल कर दिया। 15 मई (गुरुवार) को, विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं से संकेत मिला कि सुखप्रीत सिंह और करणवीर सिंह पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में सेना की आवाजाही और प्रमुख रणनीतिक स्थानों सहित ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित गोपनीय जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ साझा करने में लगे हुए थे। पंजाब पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। उनके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच से खुफिया इनपुट की पुष्टि हुई है। पुलिस टीम ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और आठ जिंदा कारतूस (.30 बोर) भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी आईएसआई संचालकों के सीधे संपर्क में थे और उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित की थी। पीएस दोरंगला में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच जारी है और जांच के आगे बढ़ने पर और खुलासे होने की उम्मीद है। पंजाब पुलिस भारतीय सेना के साथ मजबूती से खड़ी है और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के अपने कर्तव्य में अडिग है। हमारे सशस्त्र बलों की सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़तापूर्वक और तत्काल जवाब दिया जाएगा।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ मामला दर्ज करने की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की मंजूरी दे दी है। सीजेआई बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वकील और याचिकाकर्ता की दलीलों पर गौर किया और कहा कि अगर खामियों को दूर कर दिया जाता है तो इसे मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। नेदुम्परा ने कहा कि अगर याचिका में कोई खामी है तो वह उसे दूर करेंगे। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि इसे बुधवार को सूचीबद्ध किया जाए।

एशिया में तेजी से फैल रहा कोरोना का JN.1 वेरिएंट

सिंगापुर में 14 हजार नए मामले सामने आए; चीन, हॉन्गकॉन्ग, थाइलैंड अलर्ट पर

सिंगापुर (एजेंसी)। एशिया के कई देशों में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड जैसे देशों में नए मामलों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। इस बार संक्रमण के लिए ओमिक्रोन के नए वेरिएंट JN.1 और उसके सब-वेरिएंट्स LF.7 और NB.1.8 को जिम्मेदार माना जा रहा है। सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते में यह संख्या करीब 11,100 थी। यहां मामलों में 28% का इजाफा हुआ है। वहीं, रोजाना अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30% तक बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ी है, लेकिन गंभीर (ICU) मरीजों की संख्या कम हुई है। अधिकारियों का कहना है कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि ये नए वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक या तेजी से फैलने वाले हैं।

चीन-थाईलैंड भी अलर्ट पर, वायरस के मामले दोगुने

चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर है। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोरोना वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बुस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों में तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं।

आतंकी समर्थक तुर्की को अमेरिका बेचने जा रहा आधुनिक मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका आतंकवाद को खत्म करने का राग अलापता है। और खुद ही इनके समर्थकों को आधुनिक हथियार बेचकर उन्हे मजबूत बनाता है। अब डोनाल्ड ट्रंप की सरकार आतंकवादियों के समर्थक उसी तुर्की को आधुनिक मिसाइल की खेप बेचने जा रहा है। खतरनाक बात यह है कि साल 2019 के सैन्य टकराव में पाकिस्तान ने इसी मिसाइल का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया था। ट्रंप सरकार के इस कदम से नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ गई हैं। जानकारी के अनुसार, अमेरिका की ट्रंप सरकार ने तुर्की के साथ अमराम मिसाइल बेचने की डील की है। यह डिफेंस डील 225 मिलियन डॉलर (19,26,01,46,250 रुपये) की है, जिसके तहत वॉशिंगटन की ओर से तुर्की को एडवांस्ड मीडियम रेंज एयर टू एयर मिसाइल मुहैया कराई जाएगी। इसके साथ ही डील में सपोर्टिंग इक्विपमेंट एक्सपोर्ट करने का भी उल्लेख है।

पाकिस्तान ने गोल्डन टेंपल को निशाना बनाया था: सेना

नए वीडियो में पाकिस्तानी ड्रोन गिरता दिखा; महाराष्ट्र में फर्जी एयरफोर्स ऑफिसर अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल पर निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी। इसे भारतीय एयर डिफेंस ने नाकाम कर दिया था। सेना के जवानों ने पंजाब में मार गिराए गए पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल का मलबा भी दिखाया।

वहीं पंजाब में इंटरनेशनल बॉर्डर पर तैनात एक जवान ने कहा कि 8-9 मई की रात को पाकिस्तान ने अचानक फायरिंग की और घुसपैठ की कोशिश की। जिसे हमने नाकाम कर दिया। हमारी फायरिंग का नतीजा ये हुआ कि सुबह होते-होते दुश्मन घुटनों के बल पर आ गए और अपनी पोस्ट पर सफेद झंडा फहरा दिया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने एक और नया वीडियो जारी किया। इसमें सेना ने दिखाया कि पाकिस्तान की तरफ से दागे गए ड्रोन को कैसे मार गिराया। वेस्टर्न कमांड ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- हमने जमीन से आसमान की रक्षा की।

जम्मू-कश्मीर में शोपियां के डीके पोरा इलाके में आर्मी और CRPF ने जॉइंट ऑपरेशन में आतंकियों की मदद करने वाले दो सहयोगियों को अरेस्ट किया है। इनके पास से दो पिस्तौल, चार ग्रेनेड, 43 कारतूस बरामद किए गए।

केंद्र का राज्यों को अल्टीमेटम, 1 माह में ढूंढ निकालें बांग्लादेशी घुसपैठिए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अल्टीमेटम देते हुए निर्देश दिए है कि 30 दिन के भीतर बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढे और उनके दस्तावेजों की जांच करें। यदि पुष्टि नहीं होती है तो तत्काल उन्हे निर्वासित करें। इस महीने जारी किए गए निर्देशों में, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग करके अवैध प्रवासियों की पहचान, जांच और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही, मंत्रालय ने सभी राज्यों को जिला स्तर पर पर्याप्त हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक संदिग्ध प्रवासियों को रखा जाएगा। यह कदम केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। गृह मंत्रालय ने बांग्लादेश और म्यांमार से आए उन संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 दिन की समय सीमा दी है, जो स्वयं को भारतीय नागरिक बताते हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, यदि 30 दिनों के भीतर उनके दस्तावेजों की पुष्टि नहीं होती, तो उन्हें देश से निर्वासित कर दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने अपने निर्देशों में कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों का रिकॉर्ड रखना होगा, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। इसके अलावा, हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपना अनिवार्य होगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com